कार्तिक कृष्ण पक्ष -8, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 116 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
02 नवंबर 2026 सोमवार

आज का मौसम
28.5 अधिकतम
15.0 न्यूनतम



Page-7

रामलीला मैदान पर इंडी टीम की राजलीला

आरोप सच्चे हैं तो यह खुशफहमी भी बुरी नहीं...!

दीपावली से ठीक पहले दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की अगुवाई में इंडी गठबंधन के 21 दलों की रैली शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। यूरोपीय देशों में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा और अराजकता की आशंका के बीच यह राहत की बात रही। इसके लिए विपक्षी कार्यकर्ताओं के संयम और दिल्ली पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों की मुस्तैद व्यवस्था की सराहना होनी चाहिए। लेकिन इस रैली के राजनीतिक संदेश और दावों की पड़ताल जरूरी है। दरअसल, यह राहुल गांधी की प्रधानमंत्री मोदी के सामने कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता के रूप में दोबारा राजनीतिक लांचिंग की कोशिश भी थी। इसमें संदेह नहीं कि राहुल गांधी ने अपनी हठलीला से भाजपा को राजनीतिक जवाब देने की कोशिश की।



प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

राहुल गांधी से दो सवाल...

पहला, एसआईआर को लेकर शिकायत करते समय शपथपत्र देने से इनकार क्यों किया, जबकि शिकायत की निर्धारित प्रक्रिया में इसकी जरूरत थी? दूसरा, जब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है तो फिर मुख्य न्यायाधीश के फैसले का इंतजार करने के बजाय सड़क पर राजनीतिक दबाव बनाने की इतनी जल्दबाजी क्यों? आरोप सच हैं तो उन्हें प्रमाणित करने का सबसे मजबूत मंच संवैधानिक संस्थाएं हैं। लेकिन यदि आरोपों के सहारे राजनीतिक संतोष हासिल करना ही मकसद है तो रामलीला मैदान की भीड़ से उपजी खुशफहमी भी बुरी नहीं!

मगर इस रैली की गूंज 2029 के लोकसभा चुनाव तक रहेगी या नहीं, यह उसके परिणामों से तय होगा।

पहला सवाल भीड़ का। राहुल गांधी और कांग्रेस ने देशभर से दस लाख लोगों को जुटाने का दावा किया था। लेकिन रामलीला मैदान की क्षमता करीब 50 हजार है। बारह एकड़ के मैदान में कुर्सियों, मंच और सुरक्षा व्यवस्था के लिए जगह छोड़कर दस-बीस हजार अतिरिक्त लोग भी मान लें, तब भी भीड़ एक लाख से आगे नहीं पहुंचती। हरियाणा से ही दो लाख लोगों को लाने का दावा करने वाले केसी वेणुगोपाल के लिए यह आत्ममंथन का विषय होना चाहिए। राहुल गांधी को अखिलेश यादव के समर्थकों और वामपंथी छात्र संगठनों के युवाओं का शुक्रगुजार होना चाहिए, जिन्होंने मैदान को भरने में बड़ी भूमिका निभाई। यदि राहुल, सोनिया गांधी और उनके सहयोगी इस भीड़ से खुश हैं तो किसी को आपत्ति क्यों होनी चाहिए?

अखिलेश यादव के भाषण में विरोधाभास भी गौर करने लायक है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में एसआईआर के दौरान एक करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम कट गए। यदि आरोप यह सच है तो उन्हें खुश होना चाहिए कि उनके मुताबिक मुस्लिम मतदाताओं के नाम सुरक्षित रहे! हालांकि, इस दावे के प्रमाण सार्वजनिक करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने योगी सरकार की जमीन खिसकने की बात भी कही। यदि सपा के लिए परिस्थितियां इतनी अनुकूल हैं तो अखिलेश को कांग्रेस के बजाय उत्तर प्रदेश पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भाजपा की संगठन क्षमता को कमतर आंकना उनके लिए भारी पड़ सकता है। तेजस्वी यादव और ममता बनर्जी के भाषण भी सवाल खड़े करते हैं। बिहार में राजद की स्थिति ठीक दिख रही थी तो तेजस्वी को अपने चुनाव अभियान के बीच उन मतदाताओं की चिंता में क्यों उलझना पड़ा, जिनके नाम कथित तौर पर मतदाता सूची में नहीं थे?

पिछले महीने बंगाल की यात्रा और सीमा क्षेत्र की रिपोर्टिंग के दौरान मुझे लोगों से ममता सरकार के प्रति नाराजगी के अलग-अलग कारण सुनने को मिले। कई लोगों की शिकायत मुख्यमंत्री से ज्यादा उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के कथित दबदबे को लेकर थी। बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया राज्य के कर्मचारियों ने ही पूरी की। यदि वे सरकार से असंतुष्ट थे तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है?

अब कांग्रेस और राहुल गांधी की बात। राहुल ने मोहब्बत की दुकान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें ज्ञानेश कुमार, मोदी या शाह से कोई बैर नहीं। लेकिन साथ ही ज्ञानेश कुमार को वोट चोरी का दोषी बताते हुए जेल भेजने और मोदी-शाह को भी नहीं छोड़ने का ऐलान कर दिया। मोहब्बत की दुकान की मिठास और इस बयान की कड़वाहट का फैसला पाठक स्वयं करें। राहुल गांधी के साहस की दाद देनी होगी कि तमाम राजनीतिक असफलताओं के बावजूद वे अपनी बात से पीछे हटने या उसमें सुधार करने को तैयार नहीं। उन्हें अपनी कोर टीम की सलाह ही अंतिम सत्य लगती है। यदि रामलीला मैदान की भीड़ उन्हें खुश होने का अवसर देती है तो इसमें किसी को ऐतराज क्यों हो? लेकिन भाजपा के शीर्ष नेताओं की सक्रियता यह संकेत जरूर देती है कि राहुल के नैरेटिव ने उसे असहज किया है।

न्यूज विंडो

अमेरिका प्लेन क्रैश, 9 की मौत पायलट ने कहा था- वक्त नहीं बचा



फ्लोरिडा। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक बिजनेस जेट क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई। विमान टेक्सास से बहामास जा रहा था। हादसे से कुछ देर पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को कहा, 'विमान तेजी से नीचे गिर रहा है, हम जमीन से टकराने वाले है। अब वक्त नहीं बचा।' इसके कुछ ही देर बाद विमान सड़क के पास जमीन से टकरा गया। टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया और आसपास के इलाके में आग फैल गई। हादसे की जगह राष्ट्रपति ट्रम्प के मार-ए-लागो आवास से करीब 14 किलोमीटर दूर है।

अनंतनाग में मस्जिद पर पथराव चार लोगों को हिरासत में लिया

अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पेहरू शेरबाग इलाके में ईशा की नमाज के दौरान कुछ लोगों ने एक मस्जिद पर पत्थर फेंके। इससे इमारत को नुकसान पहुंचा और कुछ नमाजियों को चोटें आईं। पुलिस के मुताबिक, यह इमारत पहले एक मकान थी, जिसे करीब एक हफ्ते पहले इबादतगाह बनाया गया था। यहां नमाज पढ़ने को लेकर कुछ स्थानीय लोग विरोध कर रहे थे। इसी बात पर विवाद हुआ, जिसके बाद पथराव किया गया।

पंजाब के पूर्व मंत्री पर ईडी रेड, सुबह पांच बजे अरोड़ा के घर पहुंची टीम

होशियारपुर। पंजाब की कांग्रेस सरकार में उद्योग मंत्री रहे वरिष्ठ नेता सुंदर श्याम अरोड़ा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। आज सुबह करीब पांच बजे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने होशियारपुर स्थित उनके आवास पर छापेमारी की। टीम ने आवास को घेरकर जांच शुरू कर दी। अरोड़ा के वकील एडवोकेट ने बताया कि अधिकारियों से बातचीत के दौरान उन्हें जानकारी मिली है कि जांच के लिए पहुंची टीम प्रवर्तन निदेशालय के चंडीगढ़ कार्यालय से संबंधित है।



लक्ष्मी पूजन, बही-खाता और बैंकिंग की साख... आखिर बैंकों को किसने लूटा?

वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री आलोक मेहता का विशेष लेख... पेज-4

आज का कार्टून



खाकी पर तस्करों का खूनी हमला... हरदा से गुजरात जा रही थी शराब

अवैध शराब पकड़ने गए टीआई को ट्रक से कुचला, दर्दनाक मौत

खातेगांव/ देवास, एजेंसी

अवैध शराब भरे ट्रक ने खातेगांव टीआई दिलीप पुरी को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल पुरी को अस्पताल ले जाया गया। यहां करीब दो घंटे तक सीपीआर और इलाज के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। टीआई पुरी रविवार देर रात करीब डेढ़ बजे अवैध शराब की तस्करी की सूचना पर कार्रवाई करने टीम के साथ इंदौर-बैतूल हाईवे पहुंचे थे। नेमावर पुलिस भी इसी ट्रक का पीछा कर रही थी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, देवास पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को सूचना मिली थी कि हरदा की ओर से अवैध शराब से भरा एक ट्रक इंदौर होते हुए गुजरात जाने वाला है। सूचना मिलते ही एसपी ने ट्रक को पकड़ने के लिए पांच पुलिस टीमें गठित की थीं। इनमें कन्नौद, खातेगांव और सतवास के थाना प्रभारियों सहित अन्य पुलिसकर्मियों को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पुलिस टीमों ने ट्रक को पकड़ने के लिए अलग-अलग स्थानों पर घेराबंदी और नाकाबंदी की थी।

पुलिस के अनुसार ट्रक क्रमांक MP 43 H 4786 को ड्राइवर ने हरदा-नेमावर हाईवे पर पानी पीने के लिए रोका था। इसी दौरान खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी मौके पर पहुंचे और ट्रक चालक को नीचे उतरने के लिए कहा। बताया जा रहा है कि इसी दौरान चालक और थाना प्रभारी के बीच झूमाझटकी शुरू हो गई। आरोप है कि चालक ने पुलिस गिरफ्त से बचने के लिए ट्रक को डिवाइडर पर चढ़ाकर भागने की कोशिश की। इसी दौरान थाना प्रभारी नीचे गिर गए और ट्रक का पिछला पहिया उनके शरीर के ऊपर से निकल गया। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। खातेगांव अस्पताल के डॉ. शैलेन्द्र ने बताया, 'टीआई की अस्पताल आने से पहले ही मौत हो चुकी थी। बहुत ज्यादा ब्लीडिंग हुई थी। शरीर के कई अंग बुरी तरह डैमेज थे। कई फ्रैक्चर थे। फिर भी हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की।'

■ इंदौर-बैतूल हाईवे की घटना, झूमाझटकी के बाद ट्रक लेकर भागने की कोशिश कर रहा था ड्राइवर



जांच के लिए एसआईटी बनाई

मामले की सूचना मिलते ही देवास एसपी आदित्य मिश्रा रात करीब 3:30 बजे खातेगांव पहुंचे। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेकर चालक को गिरफ्तार कर लिया। ट्रक में अवैध शराब भरी हुई थी। पुलिस अब शराब की मात्रा, तस्करी के स्रोत और इसके गंतव्य की जांच कर रही है। एसपी ने बताया कि जांच के लिए एसआईटी बना दी गई है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस सेवा से पहले शिक्षक रहे दिलीप

45 वर्षीय दिलीप पुरी सदर बाजार बरमंडल के रहने वाले थे। उन्होंने धार के पीजी कॉलेज से गणित में एमएससी किया था। कुछ समय अतिथि शिक्षक के रूप में भी कार्य किया। 2006-07 में पुलिस में चयन के बाद जबलपुर में पहली पोस्टिंग हुई। वे अलीराजपुर के चांदपुर सौरवा के अलावा सतना के रामनगर और अमरपाटन में थाना प्रभारी रहे।

हरदा के राहुल जायसवाल का नाम

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शराब तस्करी के इस नेटवर्क में हरदा के राहुल जायसवाल का नाम सामने आया है। इसके अलावा देवास के कुछ शराब तस्करों के भी इस नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी मिली है। पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। हालांकि अभी पुलिस का अधिकृत बयान नहीं आया है। थाना प्रभारी दिलीप पुरी की मौत से पुलिस विभाग में शोक का माहौल है। वहीं इस घटना ने देवास जिले में सक्रिय अवैध शराब तस्करी के नेटवर्क को लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

आज रात आंध्र तट से टकराएगा

अब 'मुरासु' तूफान ने दी दस्तक, एमपी तक आंधी- बारिश का जोर



नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान मुरासु ओडिशा, आंध्र प्रदेश समेत चार राज्यों को झकझोर सकता है। एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी में यह दूसरा चक्रवाती तूफान है। 'मुरासु' सिर्फ 24 घंटे में गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है। तूफान 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। इसके आज देर रात आंध्र के ओंगोल तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है। मुरासु का असर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र में दिखेगा। इन राज्यों में भारी बारिश हो सकती है।

आईएमडी के अनुसार, मुरासु के तट से टकराते समय समुद्र में करीब एक मीटर ऊंची तूफानी लहरें उठ सकती हैं। इससे आंध्र प्रदेश के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा है। भारत ने इस तूफान को मुरासु नाम दिया है। खबरें हैं कि इसके चलते चेन्नई और तिरुवल्लूर में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। मौसम विभाग ने एमपी के जबलपुर, रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम और इंदौर संभाग के कई जिलों में बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। ओडिशा सरकार ने निचले इलाकों और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का आदेश दिया है। अर्नब के कारण गंजाम और गजपति जिलों में पहले से ही बचाव कार्य जारी है। मुरासु नाम तमिल भाषा से लिया गया है जो एक बड़ा ढोल या नगाड़ा होता है जो युद्ध के समय, उत्सवों में या खतरे की चेतावनी देने के लिए बजाया जाता था।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी... सुप्रीम कोर्ट ने सभी याचिकाएं निपटाईं, अब आगे की सुनवाई निचली अदालत में

नई दिल्ली, एजेंसी। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की रकम की कथित चोरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सभी याचिकाओं का निपटारा कर दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को मुकदमे की सुनवाई के दौरान निचली अदालत की सहायता करने की अनुमति दी है। कोर्ट ने साफ किया कि उसने मामले के आरोपों की सच्चाई पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अब इस मामले में आगे की सुनवाई निचली अदालत में होगी।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) इस मामले में अयोध्या की निचली अदालत में चार्जशीट दाखिल कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने भी चार्जशीट दाखिल होने की जानकारी पर संज्ञान लिया।

इजराइल चुनाव... किसी दल को बहुमत नहीं मिला

आइजनकोट के साथ सरकार बनाने को तैयार नेतन्याहू!



तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट के साथ मिलकर सरकार बनाने को तैयार हैं। इजराइली मीडिया आई 24 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने इस गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया है। वहीं, अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम ने आइजनकोट की याशार पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया है। दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत नहीं मिला। मुख्य विपक्षी पार्टी याशार 21 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर है। लिकुड के गठबंधन की 53 और याशार के गठबंधन की 48 सीटें हैं। अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं।

आरएसएस की तीन दिनी बैठक

इंदौर में संगठन विस्तार-सामाजिक अभियानों की समीक्षा कर रहे भागवत

इंदौर, दोपहर मेट्रो। इंदौर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक आज डेली कॉलेज में शुरू हुई है। बैठक में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और सभी छह सह सरकार्यवाह सहित देशभर के करीब 408 प्रमुख पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं।

4 नवंबर तक चलने वाली इस बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान हुए कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ संगठन विस्तार और आगामी कार्ययोजना पर मंथन हो रहा है। संघ ने पिछले एक साल में देशभर में 13 हजार से अधिक नई दैनिक शाखाएं जुड़ने की जानकारी दी है। इसके



साथ ही 65 हजार से ज्यादा हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में संघ के 11 क्षेत्र और 46 प्रांतों से संघचालक, सह संघचालक, कार्यवाह, सह कार्यवाह, प्रचारक और सह प्रचारक शामिल हुए हैं। अंतिम दिन विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी और आंकड़े साझा किए जाएंगे।

भाजपा की लोकतंत्र बचाओ रैली आज जबलपुर में सीएम यादव हो रहे शामिल

जबलपुर। जबलपुर में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकाली जा रही है। इसमें आज केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित कई मंत्री और वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। पदयात्रा दोपहर 3 बजे शुरू होगी। वहीं पहले केंद्रीय मंत्री जबलपुर में तीन पत्ती चौक स्थित 'लोकतंत्र बचाओ, आपातकाल हटाओ' प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे और विभिन्न बैठकों में शामिल होंगे। दोपहर 3 बजे वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ पदयात्रा में शामिल होंगे।

आम आदमी पार्टी को झटका

पंजाब में 2 दिन में 3 आप विधायकों का इस्तीफा, भाजपा में हुए शामिल

अमृतसर। पंजाब चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के 3 विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। इनमें अमृतसर नॉर्थ से कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। भाजपा जॉइन करने के बाद विधायक कुंवर ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर सरकार का हिस्सा बन गए। फिरौती की इंडस्ट्री चल रही है। इन तीनों विधायकों ने पिछले 2 दिनों में आप से इस्तीफा दिया।

रविवार को जौड़ामाजरा और पठानमाजरा के इस्तीफे के बाद आज कुंवर ने भी पार्टी छोड़ दी। कुंवर ने विधानसभा की मेंबरशिप से इस्तीफा दे



दिया है। जून 2025 में आप ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते 5 साल के लिए पार्टी से सस्पेंड कर दिया था। वहीं पार्टी ने कहा कि वह विधानसभा स्पीकर से समाना और सनौर विधायकों की मेंबरशिप रद्द करने की मांग करेगी।

ट्रेनों में जगह नहीं, भोपाल-इंदौर और इटारसी से चलने वाली हर ट्रेन में 'नो रूम', फ्लाइट का किराया भी हुआ दोगुना-तिगुना

दीवाली पर बढ़ा हवाई किराया, पुणे से भोपाल का टिकट 7 से हो गया 14 हजार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दीपावली के फेस्टिव सीजन में एक बार फिर रेल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ट्रेनों में 'नो रूम' की स्थिति और वेटिंग लिस्ट क्लीयर न होने के कारण लोगों को कंफर्म टिकट नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की जेब पर भारी आर्थिक बोझ पड़ गया है।

मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद और अहमदाबाद से भोपाल आने वाली उड़ानों (फ्लाइट्स) के किराए में दो से तीन गुना तक की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। त्योहार के इस सीजन में घर लौटने वाले यात्रियों को इसके चलते अतिरिक्त आर्थिक दबाव झेलना पड़ रहा है।

त्योहारों के दिनों में हर साल हवाई किराए में इजाफा देखा जाता है, लेकिन इस बार दीवाली के आसपास किराए में अभूतपूर्व उछाल आया है। सामान्य दिनों में पुणे से भोपाल का हवाई किराया जहां लगभग 7,000 रुपए रहता था, वहीं अब यह बढ़कर करीब 14,000 रुपए तक पहुंच गया है। जिन यात्रियों ने एक महीने पहले टिकट बुक करा लिए थे, उन्हें तो राहत मिली, लेकिन अंतिम समय में बुकिंग कराने वालों को अब कई गुना महंगी दरें चुकानी पड़ रही हैं।



मुंबई-भोपाल रूट पर इतना किराया

मुंबई से भोपाल: इंडिगो: 5 नवंबर को 14,776 रुपए और 6 नवंबर को 15,353 रुपए (जबकि साधारण दिनों में यह करीब 7,000 रुपए रहता है)।

एयर इंडिया एक्सप्रेस: 5 नवंबर को 19,000 रुपए और 6 नवंबर को 21,999 रुपए (साधारण दिनों में करीब 7,527 रुपए)।

इन रूटों पर ऐसी हालत

बेंगलुरु से भोपाल: इंडिगो: 5 नवंबर को 18,440 रुपए और 6 नवंबर को 23,358 रुपए (साधारण दिनों में करीब 8,365 रुपए)।

पुणे से भोपाल: इंडिगो: 5 नवंबर को 14,104 रुपए और 6 नवंबर को 11,462 रुपए (साधारण दिनों में करीब 7,526 रुपए)।

हैदराबाद से भोपाल: इंडिगो: 5 नवंबर को 14,104 रुपए और 6 नवंबर को 11,462 रुपए (साधारण दिनों में करीब 9,705 रुपए)।

अहमदाबाद से भोपाल: इंडिगो: 5 नवंबर को 10,157 रुपए और 6 नवंबर को 10,805 रुपए (साधारण दिनों में करीब 5,707 रुपए)।

(नोट: किराए के ये सभी आंकड़े ट्रैवल्स एजेंसियों और ऑनलाइन बुकिंग के अनुसार हैं। इनमें आंशिक बदलाव संभव है।)

रेलवे की व्यवस्था भी नाकाफी

हालांकि रेलवे ने दशहरा से ही लोगों को राहत देने के लिए भोपाल रेल मंडल से तीन राज्यों के बीच दो जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाने की तैयारी की थी। इसे कई लोगों को फायदा भी हुआ। लेकिन दीपावली और छठ पूजा को देखते हुए यह व्यवस्था भी अब नाकाफी नजर आ रही है। भोपाल, इंदौर और इटारसी से बिहार, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल की ओर जाने वाली ट्रेनों में सीटें फुट हो चुकी हैं। रेलवे की मानें तो घोषित विशेष ट्रेनों में पहली ट्रेन पुणे और गोरखपुर के बीच शुरू हुई। ट्रेन अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से शुरू होकर नवंबर तक दोनों दिशाओं में कुल 44 फेरे लगाएगी। वहीं दूसरी विशेष ट्रेन मुंबई सीएसएमटी से गोरखपुर के बीच चलाई जाएगी, जो अक्टूबर से नवंबर के दौरान कुल 43 फेरे पूरे करेगी। ये दोनों ट्रेनें अपने मार्ग में इटारसी, भोपाल, बीना, झांसी, कानपुर, लखनऊ और गोंडा जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों से होकर गुजर रही हैं। लेकिन अभी यात्रियों की संख्या के आगे ये ट्रेनें भी नाकाफी हैं।

न्यूज विंडो

अग्रवाल समाज ने की मां लक्ष्मी और महाराज अग्रेसन की महाआरती



भोपाल। माता महालक्ष्मी एवं भगवान अग्रसेन महाराज की 32वीं मासिक महाआरती श्री अग्रसेन वाटिका में अग्रवाल समाज मिसरोद की यजमानी में हुई। कार्तिक माह के उपलक्ष्य में सामूहिक दीपदान किया गया। आरती के बाद लकी ड्रॉ में रमेश अग्रवाल एवं एचसी अग्रवाल को उपहार दिए गए। आरती समूह भोपाल के आयोजक नितिन गुप्ता एवं मुकेश गोयल ने बताया कि 32 माह से नियमित महाआरती और भगवान अग्रसेन के माल्यार्पण का क्रम जारी है। इस मौके पर मुकुल गुप्ता, दिलीप अग्रवाल, पवन गुप्ता, नीरज गुप्ता सहित समाज के अनेक सदस्य, महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। नितिन गुप्ता ने बताया कि अग्रवाल समाज मिसरोद इकाई का गठन हो चुका है और शीघ्र ही कार्यकारिणी बनाई जाएगी।

बैरसिया में डेयरी संचालक को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र में शमशाबाद रोड पर मोहरा कलां जोड़ के पास 38 वर्षीय माखन सिंह यादव को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। वह दूध डेयरी संचालित करते थे और किसी काम से जा रहे थे। तभी तेज गति से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों से वाहन का पता लगा रही है। खबर लिखे जाने तक वाहन का पता नहीं लगा है।

शाहपुरा में मीडिया कर्मी का डेढ़ लाख रुपए का मोबाइल फोन लूटा

भोपाल। राजधानी में मोबाइल लूट की वारदातें बढ़ने लगी हैं। रविवार शाम शाहपुरा इलाके में बाइक सवार दो बदमाश घर के बाहर खड़े मीडिया कर्मी के हाथ से करीब डेढ़ लाख रुपए का मोबाइल छीनकर फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश में आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। शाहपुरा पुलिस के अनुसार संदीप सिंह घर के बाहर मोबाइल पर बात कर रहे थे। तभी बाइक से आए दो बदमाशों ने पीछे से झपट्टा मारकर उनके हाथ से फोन छीन लिया।

मुंबई में जेल से रिहा होते ही हुआ फरार, भोपाल लौटते ही धराया

भोपाल। बागसेवनिया पुलिस ने ब्यूटीशियन से दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी बिलाल को गिरफ्तार कर लिया है। वह पुलिस से बचने के लिए मुंबई भाग गया था। वहां हिट एंड रन के एक मामले में पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। भोपाल पुलिस उसे प्रोडक्शन वारंट पर लाने की तैयारी कर रही थी, लेकिन वह पहले ही जेल से छूटकर फरार हो गया। भोपाल लौटने की सूचना पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, छत्तीसगढ़ की 31 साल की ब्यूटीशियन की दिसंबर 2024 में भोपाल के एक होटल में आफरीन से मुलाकात हुई थी। इसके बाद वह अमरीन उर्फ माहिरा के संपर्क में आई और दोनों के साथ रहने लगी। पीड़िता का आरोप है, अमरीन व आफरीन धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाती थीं। अगस्त 2025 में चंदन नाम के युवक ने उससे दुष्कर्म किया। नवंबर में अमरीन उसे गांधी नगर स्थित घर ले गई, जहां नशीला पदार्थ पिलाकर बिलाल ने दुष्कर्म किया।

प्रदेश के पहले पेड ओल्ड एज होम 'संध्या छाया' के कई कमरे पड़े हैं खाली

महंगी पड़ रही बुजुर्गों की 'छत' अब पर्यटन निगम चलाएगा!

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के पहले पेड ओल्ड एज होम 'संध्या छाया' का संचालन अब मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम को देने की तैयारी है। इसके लिए सामाजिक न्याय विभाग पर्यटन विकास निगम से एमओयू करने पर विचार कर रहा है। नई व्यवस्था में बुजुर्गों को रहने के लिए कमरे उपलब्ध कराने के साथ ही खाली कमरों का व्यावसायिक उपयोग भी किया जा सकेगा। यानी पहले बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर कमरे आवंटित होंगे और इसके बाद भी कमरे खाली रहते हैं तो उन्हें होटल की तरह किराये पर दिया जा सकेगा।

भोपाल के लिंक रोड नंबर-3 स्थित पत्रकार कॉलोनी में बने 'संध्या छाया' को बुजुर्गों के लिए आधुनिक आवासीय सुविधा के रूप में विकसित किया गया था। यहां रहने के लिए निर्धारित किराया भी सामान्य वृद्धाश्रमों की तुलना में अधिक रखा गया है।

'संध्या छाया' में 34 कमरे हैं, जिनमें 56 बुजुर्गों के रहने की व्यवस्था है। सिंगल बेड कमरे का मासिक किराया 45,990 से 49,990 रुपए और डबल बेड कमरे का किराया 76,980 से 86,980 रुपए है।

जानकारी के अनुसार, ओल्ड ऐज को संचालित करने के लिए पूर्व में जिस संस्था से अनुबंध किया गया था, उसे अब समाप्त करने की कार्रवाई चल रही है। संस्था को 2 माह का नोटिस दिया गया था। विभाग के मुताबिक, बिजली बिल के भुगतान में देरी, सुरक्षा व्यवस्था और निर्माण की गुणवत्ता को लेकर भी जानकारी सामने आई थी। वृद्धाश्रम सौंपे जाने के समय सभी एसी चालू हालत में थे, इसलिए सुविधाओं की निगरानी की जानी चाहिए थी।



खाली कमरों के किराए का विवाद था

अनुबंध समाप्त करने के पीछे खाली कमरों के किराए का भुगतान भी अहम मुद्दा है। आवंटित कमरों का किराया देने पर जोर दिया जा रहा था। इस मुद्दे सहित अनुबंध की दूसरी शर्तों पर दोनों पक्षों में असहमति है। अब पर्यटन विकास निगम के माध्यम से संचालन की नई व्यवस्था बनाने की तैयारी है। इसमें बुजुर्गों के लिए आवासीय सुविधा की प्राथमिकता बरकरार रखते हुए खाली कमरों से आय का रास्ता निकाला जाएगा। प्रमुख सचिव, सामाजिक न्याय विभाग सोनाली पोंक्षे वायंगणकर का कहना है कि संध्या छाया को एमपीटी को देने पर अंतिम निर्णय नहीं हो पा रहा है। संबंधित संस्था ठीक से चला नहीं पा रही है। एमपीटी इसे बेहतर संचालित करेगा। वहीं पर्यटन सचिव इलैयाराजा टी. का कहना है कि अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। सरकार यदि फैसला करे तो निगम इसे ज्यादा अच्छे से चला सकता है।

क्या है संध्या छाया

लिंक रोड नंबर-3 स्थित 'संध्या छाया' ओल्ड एज होम है। इसे 24 करोड़ रुपए से बनाया गया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने इसका निर्माण करीब 5 एकड़ क्षेत्र में किया है। यहां बुजुर्गों के लिए हर तरह की सुविधा है। इसका मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया था। इसमें कुल 34 कमरे (12 सिंगल, 22 डबल व 10 सुइट) हैं, जिनमें 56 बुजुर्गों के रहने की व्यवस्था है। हर कमरे में एसी, टीवी, फ्रिज, गीजर, वाई-फाई और प्राइवेट बालकनी की सुविधा दी गई है। इसके अलावा फिजियोथेरेपी सेंटर, प्रेयर हॉल, लाइब्रेरी, इमरजेंसी मेडिकल सर्विस और स्पेशल वॉकिंग पाथ भी बनाया गया है। हालांकि मासिक किराया 45,990 रुपए से लेकर 86,980 रुपए तक किया गया था। किराया अत्यधिक होने से कई बुजुर्गों व विदेश में रह रहे परिजनों ने संपर्क तो किया, पर बुकिंग नहीं कराई।

संघ के शताब्दी वर्ष पर बैरसिया में पथ संचलन

स्वयंसेवक का दायित्व पद नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन है: नायर



बैरसिया। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बैरसिया नगर में महाविद्यालनीय विद्यार्थियों (युवा स्वयंसेवकों) का भव्य पथ संचलन आयोजित किया गया। पूर्ण गणवेश में निकले युवा स्वयंसेवकों ने अनुशासन, एकरूपता और संगठनात्मक एकता का परिचय दिया। भोपाल विभाग के सेवा प्रमुख सुनील नायर के प्रवास के दौरान आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को व्यक्ति निर्माण, शाखा की नियमितता और सामाजिक परिवर्तन के विषयों पर मार्गदर्शन मिला। मंच पर बेरसिया नगर प्रचारक जितेन्द्र पटेल भी उपस्थित रहे।

नायर ने कहा कि पथ संचलन का उद्देश्य समाज में भय उत्पन्न करना नहीं, बल्कि अनुशासन, विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देना है। संगठन की वास्तविक शक्ति स्वयंसेवकों के आचरण और समाज के बीच किए जाने वाले सेवा कार्यों में दिखाई देती है।

नियमित शाखा है व्यक्ति निर्माण का केंद्र

नायर ने कहा, संघ का मूल कार्य व्यक्ति निर्माण है और शाखा इसका प्रमुख केंद्र है। नियमित शाखा, खेल, सेवा, अनुशासन, संस्कार, और निरंतर अभ्यास से व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास होता है। संघ में पद-प्रतिष्ठा से अधिक दायित्व व समर्पण का महत्व है।

सुनवाई के दौरान ही सीने में उठा दर्द, हमीदिया में मौत

विवाद की शिकायत करने थाने पहुंचा हिस्ट्रीशीटर, अटैक से मौत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के तलैया थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे 40 वर्षीय हिस्ट्रीशीटर माजिद उर्फ कालू की दिल का दौरा (हार्ट अटैक) पड़ने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, अस्पताल ले जाते समय और इलाज के दौरान डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।

तलैया थाना प्रभारी दीपक डहेरिया के अनुसार, तलैया निवासी माजिद उर्फ कालू का हारिस कुरैशी नामक व्यक्ति से 10,000 रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों के बीच बहस के बाद हाथापाई हो गई, जिसके बाद दोनों पक्ष शिकायत लेकर थाने पहुंचे थे। थाने में सुनवाई के दौरान माजिद ने अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत की। हालत बिगड़ते देख पुलिसकर्मी उसे तुरंत ऑटो-रिक्शा से हमीदिया अस्पताल ले गए। रास्ते में उसे उल्टी भी हुई। हमीदिया अस्पताल में डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक इलाज शुरू किया, लेकिन कुछ ही देर में उसने दम तोड़ दिया।

11 आपराधिक केस थे दर्ज

थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक माजिद आपराधिक पृष्ठभूमि का था और उस पर पूर्व में 11 मामले दर्ज थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

हबीबगंज का मामला

सामान का तकादा करने पर युवती को कार में पीटा

भोपाल। उधार ले गए सामान लौटाने की बात पर हुए विवाद हुआ। इसके बाद युवक खाना खिलाने के बहाने कार से राजहंस ढाबे के पास ले जाकर उसके साथ युवती से मारपीट की। युवती ने पिता को वीडियो कॉल कर मदद मांगी। इसके बाद वह युवक की कार से उतरकर जैसे-तैसे अपने घर पहुंची। यह घटना हबीबगंज थाना क्षेत्र में सामने आई है। पुलिस ने 32 साल की युवती की शिकायत पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि युवती 12 नंबर क्षेत्र में रहती है। विकास यादव एचपी कंपनी का ओमेन लैपटॉप, तीन महंगी घड़ियां आदि सामान ले गया था। इसी मामले में उधारी को लेकर विवाद हुआ।

ऑल सोल्स-डे... ईसाई समुदाय ने किया पूर्वजों को याद कब्रिस्तान में प्रार्थना सभा, कब्रों पर छिड़का पवित्र जल



भोपाल। कैथोलिक महाधर्म प्रांत के ईसाई धर्मावलंबियों ने परलोक गमन कर चुके पूर्वजों, मित्रों, प्रियजनों को याद करते हुए ऑल सोल्स डे मनाया। बरखेड़ी स्थित क्रिश्चन समाज के कब्रिस्तान में प्रार्थना की गई। बैरागढ़ के कैथोलिक कब्रिस्तान में आर्चबिशप एएएस दुरईराज और पुरोहितों के नेतृत्व में विशेष सामूहिक प्रार्थनाएं हुईं। पुरोहितों ने सभी कब्रों पर पवित्र जल छिड़ककर आशीष दिया।

लघुकथा शोध केंद्र समिति के नवप्रभा सेंटर में बाल अभिव्यक्ति कार्यशाला

बचपन के संस्कार ही तय करते हैं बच्चों का भविष्य: सक्सेना त्रिवेदी बोलीं- मोबाइल से दूर रखने पढ़ाएं बाल पत्रिकाएं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

लघुकथा शोध केंद्र समिति के नवप्रभा सेंटर के तत्वावधान में हिंदी भवन में बाल रचनात्मक अभिव्यक्ति कार्यशाला व प्रस्तुति कार्यक्रम किया गया। अध्यक्षता वरिष्ठ बाल साहित्यकार महेश सक्सेना ने की। उन्होंने कहा, बचपन में मिले संस्कार ही बच्चों का भविष्य तय करते हैं। आज के बच्चे हर बात की सत्यता को परखने के लिए तर्क करते हैं।



मुख्य अतिथि बाल पत्रिका संपादक इंदिरा त्रिवेदी ने कहा, बच्चे देश का भविष्य हैं। उन्हें मोबाइल के मोह से दूर रखने के लिए अच्छी बाल पत्रिकाओं व पुस्तकों के अध्ययन के प्रति प्रेरित करना जरूरी है। कार्यक्रम में बच्चों ने लघु नाटिका, गीत, नृत्य, पत्र लेखन तथा कागज से कलात्मक कृतियां बनाकर प्रतिभा दिखाई। नवप्रभा सेंटर की ओर से डॉ. वंदना सिंह ने बच्चों के साथ ज्ञानवर्धक एवं रोचक बातें साझा कीं। प्रतिभागियों को कॉपी-पेन सहित शिक्षण सामग्री और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। समिति सचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने स्वागत उद्बोधन दिया। संचालन सेफालिका श्रीवास्तव ने किया। विशिष्ट अतिथि विनोद जैन एवं डॉ. मालती बसंत ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में सुनीता प्रकाश, निरूपमा खरे, सौरभ प्रकाश, नीना सिंह सोलंकी, डॉ. गिरजेश सक्सेना सहित लगभग 50 बच्चे एवं साहित्यकार उपस्थित रहे। अंत में समिति की निदेशक कांता रॉय ने आभार व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर | आरटीओ के रिकॉर्ड में महज 9727 ई-रिक्शा ही रजिस्टर्ड

पांच हजार अवैध ई-रिक्शा सड़क पर, विभाग को नियम बनने का इंतजार, नतीजा..जगह-जगह जाम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में लंबे समय से अवैध ढंग से ई-रिक्शा का संचालन हो रहा है। लेकिन इन पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है। परिवहन विभाग को सरकार के नियम बनाने का इंतजार है। इसका नतीजा यह है कि शहर में हजारों ई-रिक्शा परिवहन नियमों को ताक पर रखकर भी धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। शहर के ट्रैफिक को जाम करने के साथ हादसों का भी कारण बन रहे हैं। आरटीओ के रिकॉर्ड में शहर के 9727 यानी करीब 10,000 ई-रिक्शा ही रजिस्टर्ड हैं। जबकि शहर में 15,000 से ज्यादा ई-रिक्शा चल रहे हैं। यानी, 5 ई-रिक्शा बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं।



न बीमा-न नंबर प्लेट, रूट भी मनमाने

परिवहन विभाग में रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण न तो इन ई-रिक्शा का बीमा है, और ना ही इन पर नंबर प्लेट है, फिर भी बेरोकटोक ढंग से इन ई-रिक्शा का संचालन हो रहा है। मामले का गंभीर पहलू यह है कि इन अवैध ई-रिक्शाओं के संचालन के द्वारा हादसा होता है तो इसमें सवार होने वाले यात्री को कोई मुआवजा नहीं मिलेगा। क्योंकि इनके पास ना बीमा है और ना ही रजिस्ट्रेशन नंबर। फिर भी ना तो इनकी कोई जांच हो रही है और ना ही इन पर किसी तरह की कोई कार्रवाई।

70 फीसदी नाबालिग ड्राइवरों के भरोसे सफर

राजधानी में चल रहे ई-रिक्शा से जुड़ा एक गंभीर मामला यह भी है कि इनको चलाने वाले 70 फीसदी से ज्यादा ड्राइवर नाबालिग हैं। ट्रैफिक नियमों की जानकारी न होने के कारण ही इनका बेरोकटोक बेतरतीब ढंग से हो रहा है। इससे आए दिन छोटे-मोटे हादसे होते रहते हैं। भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा का कहना है, जो ई-रिक्शा रजिस्टर्ड नहीं हैं उनकी जांच की जाती है, अभी इनके संचालन के लिए सरकार का स्पष्ट नियम नहीं है, लेकिन इस पर काम हो रहा है।

आरटीआई पर सरकारी तंत्र का ताला! भोपाल में 1,167 में से 797 प्रकरण लंबित

पांच साल में 71% आवेदन अटके, जानकारी देने में कई जिले फिसड्डी

कटनी, दमोह, बुरहानपुर, डिंडौरी और झाबुआ में एक भी आवेदन का नहीं हुआ निराकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम मध्यप्रदेश में सरकारी तंत्र की उदासीनता का शिकार नजर आ रहा है। आम नागरिकों को सरकारी विभागों से जानकारी हासिल करने के लिए महीनों और वर्षों तक इंतजार करना पड़ रहा है। प्रदेश के 55 जिला कार्यालयों में पिछले पांच वर्षों के दौरान प्राप्त 14,586 आवेदनों में से 10,350 अब भी लंबित हैं। यानी करीब 71 प्रतिशत आवेदकों को मांगी गई जानकारी नहीं मिल सकी है। इस अवधि में महज 3,953 आवेदनों का निराकरण किया गया, जबकि 283 आवेदन निरस्त कर दिए गए। यह स्थिति सरकारी कार्यालयों में सूचना के अधिकार के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

आरटीआई के तहत जानकारी उपलब्ध कराने में लापरवाही का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पांच जिलों में एक भी आवेदन का निराकरण नहीं हुआ। कटनी में 236, दमोह में 210, बुरहानपुर में 62, डिंडौरी में 37 और झाबुआ में 23 आवेदन प्राप्त हुए, लेकिन इनमें से किसी पर भी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। हालांकि, पांढुर्ना में इस अवधि में कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ। ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदनों की स्थिति दर्ज होने के बावजूद बड़ी संख्या में प्रकरण लंबित रहना प्रशासनिक कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर सवाल उठाता है।

अपील के बावजूद राहत मिलने में देरी| आवेदन निरस्त करने के मामलों में भी जिलों के बीच अंतर दिखाई देता है। ग्वालियर में 56, मंदसौर में 47 और सीधी में 27 आवेदन निरस्त किए गए। मंदसौर में प्राप्त 187 आवेदनों में से 47 निरस्त हुए।



कई जिलों में 90 प्रतिशत से ज्यादा प्रकरण अटके| प्रदेश के कई जिलों में आरटीआई आवेदनों के निराकरण की रफ्तार बेहद धीमी है। शिवपुरी में 226 में से 221 आवेदन लंबित हैं, जो कुल आवेदनों का लगभग 98 प्रतिशत है। उज्जैन में 221 में से 213, श्योपुर में 96 में से 92, शाजापुर में 68 में से 64 और रीवा में 226 में से 210 आवेदन लंबित हैं। सिंगरौली में 338 आवेदनों में से केवल 11 का निराकरण हुआ, जबकि 327 अब भी अटके हैं। शहडोल में 315 में से 19 और छतरपुर में 414 में से महज 41 आवेदनों का निराकरण किया गया। खरगोन में 495 आवेदनों में से 437 लंबित हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि कई जिलों में नागरिकों को सूचना हासिल करने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

भोपाल में भी 68 प्रतिशत आवेदन लंबित

राजधानी भोपाल में भी आरटीआई आवेदनों के निराकरण की स्थिति संतोषजनक नहीं है। यहां प्राप्त 1,167 आवेदनों में से 797 लंबित हैं। केवल 353 आवेदनों का निराकरण किया गया, जबकि 17 आवेदन निरस्त हुए। संभाग के अन्य जिलों में भी हालात लगभग ऐसे ही हैं। विदिशा में 301 में से 277 और सीहोर में 301 में से 274 आवेदन लंबित हैं। राजगढ़ में प्राप्त 122 आवेदनों में से 101 का निराकरण नहीं हुआ। रायसेन में 189 आवेदनों में से 165 लंबित हैं, जबकि 15 निरस्त किए गए और केवल नौ का निराकरण हुआ।

संजय गांधी विद्युत केंद्र से 500 मेगावाट बिजली उत्पादन बंद

उमरिया। गांधी ताप विद्युत केंद्र की 500 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट में बिजली उत्पादन बंद है। अधिकारी यूनिट की जांच कर रहे हैं। केंद्र के चीफ इंजीनियर एचके त्रिपाठी ने रविवार को बताया कि उत्पादन के दौरान यूनिट में पानी की खपत ज्यादा हो रही थी। इसी वजह से यूनिट बंद कर जांच की जा रही है। त्रिपाठी के मुताबिक, जांच और जरूरी प्रक्रिया पूरी करने में दो से तीन दिन लग सकते हैं। इसके बाद ही यूनिट में बिजली उत्पादन दोबारा शुरू हो सकेगा।

ज्यादा हो रही थी पानी की खपत, प्लांट की जांच करने पहुंचे अधिकारी

2 से 3 दिन का समय लगेगा– केंद्र की यूनिटें पहले भी तकनीकी कारणों से बंद हुई हैं या ट्रिप हुई हैं। फिलहाल यह साफ नहीं है कि इस यूनिट के बंद रहने से प्रदेश की बिजली व्यवस्था पर कितना असर पड़ेगा।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने गिनाईं उपलब्धियां

102 मेधावी विद्यार्थियों को मिली एक-एक लाख रुपये की सम्मान राशि

12 लाख करोड़ रु. का निवेश जमीन पर उतरा, कृषि विकास दर 24 प्रतिशत पार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश उद्योग, रोजगार, कृषि, दुग्ध उत्पादन, पर्यटन और विरासत के संरक्षण में सभी प्रदेशों से आगे हैं। आने वाले समय में इन उपलब्धियों का विस्तार होगा। समारोह में मंत्री चैतन्य काश्यप, कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, विष्णु खत्री और महापौर मालती राय सहित अनेक जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे। डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक चेतना, परिश्रम और संस्कारों ने प्रदेश को विशिष्ट पहचान दी है। राज्य का गठन किसी एक व्यक्ति के विचार या एक कालखंड की देन नहीं, बल्कि प्रदेशवासियों की समर्पण भावना और परिश्रमी संस्कृति का परिणाम है। लाल परेड मैदान में आयोजित राज्योत्सव के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश की विकास उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि अब तक 12 लाख करोड़ रुपये का निवेश जमीन पर उतर चुका है। कृषि विकास दर 24 प्रतिशत से अधिक हो गई है और उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 में उद्योग वर्ष के माध्यम से युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार देने का प्रयास किया गया, जबकि वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में कृषि क्षेत्र के विकास को समर्पित किया गया है। राज्योत्सव के अवसर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को 490 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश की प्रक्रिया लगातार आगे बढ़ रही है। किसानों के हित में विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण पर चार गुना राशि देने का निर्णय लिया गया है। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है और दुग्ध उत्पादन बढ़ाकर मध्यप्रदेश को देश में पहले स्थान पर लाने का लक्ष्य है।



15 जनवरी को भोपाल में सेना दिवस का आयोजन

मुख्यमंत्री ने बताया कि भोपाल युवा वर्ष के पहले महीने में ही 15 जनवरी को सेना दिवस की गतिविधियों का साक्षी बनेगा। इस आयोजन में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सेना के जवान दिन-रात देश की रक्षा में जुटे रहते हैं और उनके कारण लोकतंत्र सुरक्षित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना का मनोबल बढ़ाया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, सेना दिवस का आयोजन युवाओं में राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम की भावना को मजबूत करेगा।

बड़ी परियोजनाओं से बढ़ेगा निवेश और विकास

डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात मिली है। इनमें धार जिले का पीएम मित्र पार्क, बीना रिफाइनरी की विस्तार परियोजना, केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजनाएं तथा मोहासा-बाबई में नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत उपकरण निर्माण क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटन विकास और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

102 मेधावी विद्यार्थियों को एक-एक लाख रुपये

राज्योत्सव में मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति के अंतर्गत 102 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को एक-एक लाख रुपये की सम्मान राशि और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को ट्रैक्टर, बुलेट मोटरसाइकिल और ई-स्कूटर देकर सम्मानित किया गया। भोपाल जिले में प्रतियोगिता के विजेता संदीप वर्मा, सुहानी राजपूत और समीर गौड़ को पुरस्कार दिए गए। मेधावी विद्यार्थियों में अक्षरा गोस्वामी और प्रीतम मांडलेकर भी सम्मानित हुए।

मोनाली ठाकुर की प्रस्तुति ने बांधा समां

राज्योत्सव के पहले दिन प्रसिद्ध पार्श्वगायिका मोनाली ठाकुर और उनके साथियों की संगीतमय प्रस्तुति प्रमुख आकर्षण रही। उन्होंने 'सवार लूं', 'मोह-मोह के धागे', 'जरा-जरा टच मी', 'ख्वाब देखे', 'छम-छम' और 'बद्री की दुल्हनिया' जैसे लोकप्रिय गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम की शुरुआत 71 बच्चों के सामूहिक 'वंदे मातरम्' गायन, पुलिस बैंड की प्रस्तुति और आतिशबाजी से हुई।

एमपी के सरकारी कॉलेजों में पढ़ाई पर संकट

प्रोफेसर के 77%- असिस्टेंट प्रोफेसर के 55% पद खाली मंत्रालय में काट रहे मौज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी का शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय (एमवीएम) में प्राध्यापकों के 70 पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से करीब 20 के शिक्षकों का पद खाली हैं। इनमें तीन शिक्षक अतिरिक्त संचालक कार्यालय, सतपुड़ा भवन और मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं। इसका असर महाविद्यालय में मल्टी डिसप्लिनरी पाठ्यक्रमों के संचालन पर पड़ रहा है। यहां विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं।

यही स्थिति प्रदेश के अन्य सरकारी महाविद्यालयों में भी बनी हुई है। प्रदेश के 571 सरकारी महाविद्यालयों सहायक प्राध्यापक के 12,895 स्वीकृत पदों में से 7,078 रिक्त हैं। यानी करीब 55 फीसद पद खाली हैं। वहीं प्राध्यापक के 848 स्वीकृत पदों में से 650 पद रिक्त हैं। यानी करीब 77 फीसद पदों पर नियुक्ति नहीं है। इसके बावजूद 100 से अधिक शिक्षक प्रशासनिक कार्यालयों में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (ओएसडी) और अन्य प्रशासनिक कार्यों में प्रतिनियुक्ति या संलग्न हैं। वर्तमान में 4500 अतिथि विद्वान पदस्थ हैं।

100 से अधिक शिक्षक संलग्न या प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ– सतपुड़ा भवन और वल्लभ भवन में प्रशासनिक कार्यों के लिए महज चार पद स्वीकृत हैं, जबकि यहां 10 से अधिक प्राध्यापक और सहायक प्राध्यापक प्रतिनियुक्ति या संलग्नीकरण पर काम कर रहे हैं। इनमें कई ऐसे हैं, जो नियुक्ति के शुरुआती वर्षों से ही कालेजों के बजाय विभागीय कार्यालयों में पदस्थ हैं।

करीब 10 से अधिक सहायक प्राध्यापक वर्ष 2019 में नियुक्ति के बाद से विभागीय कामकाज संभाल रहे हैं। इनकी जिम्मेदारी विभागीय नीति-नियमों के क्रियान्वयन, शिक्षकों की सीआर, योजनाओं की निगरानी और कालेजों के निरीक्षण से जुड़ी रिपोर्ट तैयार करने तक सीमित हो गई है।



बिना शिक्षण अनुभव वरिष्ठ वेतनमान का लाभ

शिक्षाविदों का कहना है कि यूजीसी के प्रविधानों में शिक्षकों की परिवीक्षा अवधि सामान्यत: दो से तीन वर्ष में शिक्षण कार्य और प्रदर्शन के आधार पर पूरी होती है। इसके बाद वरिष्ठ वेतनमान यानी पे मैट्रिक्स-11 के लिए पीएचडी धारकों को चार वर्ष, एमफिल धारकों को पांच वर्ष और नेट-सेट उत्तीर्ण शिक्षकों को छह वर्ष का शिक्षण अनुभव आवश्यक होता है। अगले वेतनमान के लिए भी निर्धारित शिक्षण अनुभव की शर्त है। ऐसे में वर्षों से महाविद्यालयों में नियमित अध्यापन नहीं करने वाले शिक्षकों की परिवीक्षा अवधि और शिक्षण अनुभव का आकलन ही नहीं किया गया।

देश में दसवें स्थान पर खिसका

स्वच्छता के शहर इंदौर के एयरपोर्ट की चमक पड़ी फीकी सफाई से यात्री हैं नाराज

इंदौर, दोपहर मेट्रो

देशभर में स्वच्छता के मामले में लगातार पहचान बनाने वाले इंदौर की छवि को देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट की बदहाल होती सफाई व्यवस्था झटका दे रही है। शहर की स्वच्छता के दावों के बीच एयरपोर्ट पहुंचने वाले यात्री वहां की सफाई और सुविधाओं से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी (एएसक्यू) सर्वे की जुलाई-सितंबर 2026 की रिपोर्ट में यह नाराजगी सामने आई है। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) की ओर से जारी रिपोर्ट में देश के 16 प्रमुख एयरपोर्ट में इंदौर दसवें स्थान पर रहा है। यात्रियों ने सफाई, वॉशरूम, खानपान की कीमतों और बैठने की व्यवस्था जैसे कई महत्वपूर्ण मानकों पर पहले की तुलना में कम अंक दिए हैं।

एयरपोर्ट पर 31 अलग-अलग मानकों के आधार पर यात्रियों से प्रतिक्रिया ली जाती है। स्वच्छता के मामले में जुलाई-सितंबर तिमाही में एयरपोर्ट को पांच में से 4.91 अंक मिले, जबकि अप्रैल-जून तिमाही में यह आंकड़ा 4.93 था। इसी तरह वॉशरूम की स्वच्छता के अंक भी 4.93 से घटकर 4.92 रह गए। भले ही अंकों में गिरावट मामूली दिखाई दे, लेकिन यात्रियों की संतुष्टि में कमी का संकेत जरूर देती है।



16 एयरपोर्ट में दसवें पायदान पर इंदौर

रैंकिंग के मामले में भी इंदौर एयरपोर्ट का प्रदर्शन लगातार कमजोर बना हुआ है। वर्ष 2026 की पहली तिमाही जनवरी-मार्च में एयरपोर्ट 13वें स्थान पर था। दूसरी तिमाही अप्रैल-जून में 4.88 अंक के साथ नौवें स्थान पर पहुंचा, लेकिन तीसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में 4.90 अंक मिलने के बावजूद दसवें स्थान पर खिसक गया। यानी अंक बढ़ने के बावजूद अन्य एयरपोर्ट की तुलना में इंदौर की स्थिति कमजोर रही। सर्वे में सफाई के अलावा अन्य सुविधाओं को लेकर भी यात्रियों ने असंतोष जताया है। रेस्टोरेंट में खाने-पीने की कीमतों के उचित होने के मामले में अंक 4.92 से घटकर 4.89 रह गए। चार्जिंग स्टेशन की उपलब्धता के अंक 4.93 से घटकर 4.92 और विमान के गेट के पास सीटों की उपलब्धता के अंक 4.94 से घटकर 4.92 हो गए।

2023 में मिला था पहला स्थान, अब टॉप-5 से भी बाहर

इंदौर एयरपोर्ट को वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही में 4.94 अंकों के साथ देश में पहला स्थान मिला था। इसके बाद से एयरपोर्ट दोबारा शीर्ष स्थान हासिल नहीं कर सका। वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 4.97 अंकों के साथ दूसरा स्थान जरूर मिला, लेकिन इसी वर्ष पहली और दूसरी तिमाही में एयरपोर्ट 12वें स्थान पर रहा था। वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में तीसरा स्थान मिला था। वहीं 2026 में अब तक एयरपोर्ट शीर्ष पांच में भी जगह नहीं बना पाया है।

रेडियोग्राफर, लैब टेक्नीशियन, नर्सिंग के कई पद खाली

3323 कर्मियों का अटैचमेंट खत्म लैब से लेकर एक्स-रे तक प्रभावित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के 3323 से ज्यादा डॉक्टर्स और कर्मचारियों का अटैचमेंट खत्म कर मूल पदस्थापना में भेज ?दिया गया है। इससे प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होना शुरू हो गई है। कई संस्था प्रभारी ने इसकी शिकायत भी दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, अटैचमेंट खत्म करने के बाद लैब जांच, एक्स-रे और दवा भंडारण-वितरण का काम प्रभावित हो रहा है।



केंद्र में रेडियोग्राफर, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, नर्सिंग ऑफिसर सहित कई पद खाली होने से दिक्कत और बढ़ गई है। इमरजेंसी सेवाएं भी प्रभावित हो रही है। मरीजों को जांच और दवाओं की सुविधा मिलने में परेशानी हो रही है। वहीं हेल्थ कमिश्नर धनराजू एस को सिर्फ अटैचमेंट खत्म करने की चिंता है।

अटैचमेंट खत्म न करने वाले सीएमएचओ से शपथ पत्र भी मांगा जा रहा है कि वे लिखित में यह दें कि उनके यहां अब कोई अटैचमेंट बकाया नहीं है। नतीजतन प्रदेश में अब तक 3323 से ज्यादा डॉक्टर्स और कर्मचारियों का अटैचमेंट खत्म कर दिया गया है।

हर्षिका सिंह, रोहित सिंह, अभिजीत अग्रवाल और अनुराग चौधरी को अनुमति देने से इनकार

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नहीं जा सकेंगे चार IAS 68 पद खाली होने से सरकार ने लिया फैसला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों की कमी का असर अब आईएएस अधिकारियों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भी दिखाई देने ल.गा है। राज्य सरकार ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने की अनुमति मांगने वाले चार आईएएस अधिकारियों को फिलहाल अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इनमें वर्ष 2012 बैच के हर्षिका सिंह, रोहित सिंह, अभिजीत अग्रवाल और अनुराग चौधरी शामिल हैं। सरकार का तर्क है कि प्रदेश में पहले से ही भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की कमी है। ऐसे में चार और अधिकारियों के बाहर जाने से प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो सकता है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि अगले वर्ष केंद्र में प्रतिनियुक्ति की अवधि पूरी कर लौटने वाले मध्यप्रदेश कैडर के अधिकारियों के बाद ही नए अधिकारियों को बाहर जाने की अनुमति देने पर विचार किया जाएगा।

चारों अधिकारी महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थ



केंद्रीय प्रतिनियुक्ति की अनुमति मांगने वाले चारों अधिकारी वर्ष 2012 बैच के हैं। हर्षिका सिंह वर्तमान में संचालक बजट के पद पर पदस्थ हैं। रोहित सिंह मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के प्रबंध संचालक हैं। अभिजीत अग्रवाल मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) के प्रबंध संचालक की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जबकि अनुराग चौधरी मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ के प्रबंध संचालक हैं। इन अधिकारियों के अनुभव और विभागीय जिम्मेदारियों को देखते हुए सरकार फिलहाल उन्हें प्रदेश से बाहर भेजने के पक्ष में नहीं है।

मेट्रो एंकर | **किसान कल्याण में मध्यप्रदेश बना रहा पहचान**

1.20 करोड़ किसान डिजिटल पहचान से जुड़े, 764 करोड़ की बचत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार किसान कल्याण और कृषि क्षेत्र में नवाचार के मामले में देश में नई पहचान बना रही है। केंद्र सरकार की एग्रीस्टैक योजना के बेहतर क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश पहले स्थान पर है। इसके तहत प्रदेश के 1.20 करोड़ से अधिक किसानों की डिजिटल पहचान (किसान आईडी) तैयार की गई है। वहीं चार करोड़ से अधिक खेतों का फसल सर्वे कर उनका जियो रेफरेंस किया गया है। इससे किसानों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने, फसल संबंधी जानकारी जुटाने और कृषि व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने में मदद मिल रही है। राज्य सरकार भावांतर योजना, बोनस, ब्याजमुक्त फसल ऋण और आधुनिक मंडी सुविधाओं के माध्यम से किसानों की आय और आर्थिक स्थिति मजबूत करने पर भी जोर दे रही है।



मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां किसानों के हित में भावांतर योजना का व्यापक स्तर पर क्रियान्वयन किया जा रहा है। किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत सरसों और सोयाबीन के लिए भी भावांतर योजना लागू की गई है। इसका उद्देश्य बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण किसानों को होने वाले नुकसान से राहत देना है। इसके अलावा उड़द उत्पादक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के ऊपर 600 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है।

रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदेश के 15 जिलों के चार हजार किसानों से तीन हजार मीट्रिक टन श्रीअन्न का उपार्जन किया गया है। किसानों को उपार्जन मूल्य के अतिरिक्त एक हजार रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रोत्साहन राशि भी दी गई है। सरकार का प्रयास है कि मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा मिले और किसानों को परंपरागत फसलों के साथ वैकल्पिक कृषि से भी अतिरिक्त आमदनी हो।

मध्यप्रदेश ने उर्वरक वितरण में भी तकनीक का अभिनव प्रयोग किया है। कृषि उर्वरक वितरण एवं आपूर्ति समाधान प्रणाली यानी ई-विकास के माध्यम से पहली बार डिजिटल व्यवस्था से पात्र किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराया गया।

मंडियों में ग्रेडिंग, पैकेजिंग और तौल की सुविधा

किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए प्रदेश की मंडियों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। मंडियों में सफाई, ग्रेडिंग और पैकेजिंग संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। फिलहाल तीन मंडियों में ये संयंत्र काम कर रहे हैं। इसके अलावा 21 मंडियों में तौल कांटों की सुविधा विकसित की गई है। फसल संबंधी जानकारी और कृषि परामर्श के लिए किसान हेल्पलाइन नंबर 155253 भी शुरू किया गया है। किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए ब्याज रहित फसल ऋण योजना के तहत वर्ष 2025-26 में 35 लाख किसानों को 24 हजार करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया। वर्ष 2026-27 में अब तक 15 हजार करोड़ रुपये का ऋण दिया जा चुका है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 1,250 करोड़ रुपये अधिक है।

सेहत का रास्ता आदतों से

आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएं तो खूब दी हैं, लेकिन उसके शरीर से स्वाभाविक सक्रियता छीन ली है। दफ्तरों में घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, घर लौटकर मोबाइल और टीवी में उलझ जाना तथा शारीरिक श्रम से दूरी बनाना अब सामान्य दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। नतीजा यह है कि कम उम्र में ही थकान, जकड़न और निष्क्रियता जीवन का हिस्सा बनने लगी है। विडंबना यह है कि सेहत की चिंता तो सबको है, लेकिन उसके लिए समय निकालने की इच्छाशक्ति अक्सर कमजोर पड़ जाती है। व्यवहार मनोविज्ञान इस समस्या का दिलचस्प समाधान सामने रखता है। व्यायाम को बोझ या दिनभर के काम के बाद की अतिरिक्त जिम्मेदारी मानने के बजाय उसे शरीर को ऊर्जा देने वाला अवसर समझा जाए। व्यवहार मनोवैज्ञानिक डेनियल बोल्स के अनुसार, परिस्थितियां बदलने से पहले उनके प्रति नजरिया बदलना जरूरी है। जब कसरत थकान बढ़ाने वाला काम नहीं, बल्कि थकान दूर करने का माध्यम बनती है तो उसे अपनाना आसान हो जाता है। वर्ष 2021 के एक अध्ययन में सामने आया कि व्यायाम के दौरान आनंद, तनाव से मुक्ति और सामाजिक जुड़ाव को महत्व देने वाले लोगों में नियमितता अधिक रही। इसके उलट, केवल स्वास्थ्य लाभों पर ध्यान केंद्रित करना पर्याप्त साबित नहीं हुआ। यानी शरीर को सक्रिय रखने के लिए इच्छाशक्ति के साथ आनंद का जुड़ना भी जरूरी है। वर्ष 2023 के एक अध्ययन में यह भी संकेत मिला कि फिटनेस ट्रैकर पर कम कदम देखने से कुछ लोगों में दूसरी स्वस्थ आदतों के प्रति भी निराशा पैदा हो सकती है। इसे 'व्हाट द हेल इफेक्ट' कहा जाता है। दरअसल, व्यायाम को जीवन का अलग और कठिन हिस्सा बनाने के बजाय उसे अपनी पहचान और दिनचर्या में शामिल करना होगा। दोस्तों के साथ पैदल चलना, साइकिल से दफ्तर जाना, खेल गतिविधियों से जुड़ना या घर के काम करना भी शारीरिक सक्रियता के रास्ते हैं। इसके लिए महंगे जिम और विशेष उपकरणों की अनिवार्यता नहीं है। जरूरत केवल नियमितता और छोटे प्रयासों को महत्व देने की है। सेहत किसी एक दिन के संकल्प से नहीं बनती, बल्कि रोजमर्रा के चुनावों से आकार लेती है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जिंदगी की रफ्तार रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिनचर्या में सक्रियता जोड़ने की जरूरत है।

लक्ष्मी पूजन, बही-खाता और बैंकिंग की साख... आखिर बैंकों को किसने लूटा?

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार



दीपावली का पर्व आते ही देश के व्यापारिक प्रतिष्ठानों, दुकानों और घरों में एक पुरानी परंपरा जीवंत हो उठती है। व्यापारी अपने नए बही-खाते की पूजा करते हैं, लक्ष्मी-गणेश की आराधना होती है और नए आर्थिक वर्ष के लिए समृद्धि की कामना की जाती है। इस परंपरा का संदेश केवल धन कमाना नहीं, बल्कि ईमानदारी से कमाना, हिसाब-किताब साफ रखना और आर्थिक व्यवहार में विश्वास बनाए रखना भी है।लेकिन जब हम देश की बैंकिंग व्यवस्था की ओर देखते हैं तो एक असहज सवाल सामने आता है। क्या हमारी सरकारी और निजी बैंकिंग व्यवस्था ने इस परंपरा के मूल्यों का पालन किया है? क्या जनता की मेहनत की कमाई से बने बैंकों को राजनीतिक हस्तक्षेप, प्रभावशाली उद्योगपतियों, भ्रष्ट अधिकारियों और कमजोर प्रबंधन से बचाया जा सका है?

इस समय आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश को लेकर राहुल गांधी की कांग्रेस और कुछ कम्युनिस्ट विचार वाले दलों की आपत्तियां सामने आ रही हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बैंक के नियंत्रण और स्वामित्व में बदलाव की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। सवाल उठाने वालों को यह भी बताना चाहिए कि जिन सरकारी बैंकों को कभी राष्ट्रीय गौरव और सामाजिक न्याय का माध्यम बताया गया था, उनकी आर्थिक सेहत बिगड़ने, हजारों करोड़ रुपये के कर्ज डूबने और राजनीतिक संरक्षण में कर्ज बांटने की परिस्थितियां कैसे पैदा हुईं? बैंक सरकारी हो या निजी, असली सवाल उसके मालिक का नहीं, बल्कि उसकी जवाबदेही, पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और जनता के पैसे की सुरक्षा का है। आज़ादी के तत्काल बाद बीस वर्षों तक राजा महाराजा या सेठों के कुछ बैंक भी थे। कई बड़े सेठ , ठेकेदार , जमींदार गरीबों को कई गुना अधिक ब्याज दरों पर कर्ज देकर मुनाफा कमा उनका शोषण करते थे। जब सार्वजनिक बैंक बने तो नेताओं ने अपने ढंग से गरीबों और ईमानदार लोगों का पैसा लूटा।

जब नरेंद्र मोदी सरकार 2014 में सत्ता में आई, तब बैंकों के फंसे हुए कर्ज यानी गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) का संकट बहुत गंभीर था। रिजर्व बैंक की एसेट क्वालिटी रिव्यू प्रक्रिया के बाद बैंकों के पुराने दबे हुए खराब ऋण बड़े पैमाने पर सामने आए। मोदी सरकार ने दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आई बी सी), 2016 लागू की। इसका उद्देश्य दिवालिया कंपनियों के समाधान और ऋण वसूली की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना था। इसके साथ बैंकों के पुनर्पूंजीकरण, विलय और प्रबंधन सुधार की दिशा में भी कदम उठाए गए।2015 में तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सुधार के लिए इंद्रधनुष योजना की घोषणा की थी। इसमें नियुक्तियों को बेहतर बनाने, बैंक बोर्ड ब्यूरो की स्थापना, पूंजी उपलब्ध कराने और बैंकिंग प्रशासन में सुधार पर जोर था।इन कदमों से बैंकिंग व्यवस्था में सुधार की प्रक्रिया आगे बढ़ी, लेकिन यह कहना भी अतिशयोक्ति होगा कि एनपीए की समस्या पूरी तरह समाप्त हो गई है। बैंकिंग क्षेत्र में निरंतर निगरानी और जवाबदेही की जरूरत बनी हुई है।

राहुल गांधी इन दिनों मोदी सरकार और उनकीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर ऐसे कई मुद्दों पर अनर्गल आरोप लगाकर जनता को भर्मित कर रहे हैं । वे कभी अम्बानी अडानी का नाम लेकर गंभीर आरोप लगाते हैं । वे भूल जाते हैं कि कांग्रेस राज में ' टाटा बिड़ला ' की सरकार कहलाने के साथ ही राजीव गांधी से मनमोहन सिंह राज के दौरान ही अम्बानी अडानी भी आगे बढे हैं । मोदी ने तो गुजरात में ही टाटा बिड़ला अम्बानी अडानी मित्तल जैसे सभी घरानों को प्रोत्साहित किया , ताकि उद्योग व्यापार के साथ रोजगार के अधिकाधिक अवसर मिले ।

राहुल गांधी एन्ड कंपनी इन तथ्यों को भी ध्यान में रखें। 19 जुलाई 1969 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने 14 प्रमुख निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया। उस समय इन बैंकों में 50 करोड़ रुपये से अधिक की जमा राशि थी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग पहुंचाना, किसानों और छोटे उद्योगों को ऋण उपलब्ध कराना तथा कुछ बड़े औद्योगिक घरानों के आर्थिक प्रभाव को सीमित करना बताया गया था।इस निर्णय का भारतीय अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा। बैंकों की शाखाएं गांवों और कस्बों तक पहुंचीं। कृषि, लघु उद्योग, छोटे



व्यापार और आम नागरिकों को संस्थागत ऋण उपलब्ध कराने का रास्ता खुला। मैं 1971 से दिल्ली में पत्रकारिता में हूँ और बैंक या कोयला खानों के राष्ट्रीयकरण के लाभ और बाद में नुकसान यानी घोटालों पर जमीनी रिपोर्टिंग या लेख लिखता रहा हूँ । कई वित्त मंत्रियों से इंटरव्यू करता रहा हूँ ।

राष्ट्रीयकरण के केवल दो वर्ष बाद 1971 में नागरवाला कांड ने देश की बैंकिंग और राजनीतिक व्यवस्था को हिला दिया।24 मई 1971 को दिल्ली स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की संसद मार्ग शाखा से 60 लाख रुपये निकलवाए गए। बैंक के मुख्य कैशियर वेद प्रकाश मल्होत्रा को कथित तौर पर फोन पर प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी पी.एन. हक्सर और स्वयं प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम का हवाला दिया गया था। बाद में पता चला कि फोन करने वाला व्यक्ति रुस्तम सोहराब नागरवाला था।उस समय 60 लाख रुपये बहुत बड़ी रकम थी। अधिकांश राशि बरामद हो गई और नागरवाला गिरफ्तार हुआ। लेकिन यह मामला केवल धोखाधड़ी तक सीमित नहीं रहा। इसमें प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम, बैंक की आंतरिक प्रक्रियाएं और पुलिस जांच की विश्वसनीयता जैसे गंभीर सवाल जुड़े।न्यायमूर्ति जे. जगनमोहन रेड्डी आयोग ने मामले की जांच की। आयोग ने पुलिस जांच की गंभीर कमियों की ओर ध्यान दिलाया और कई ऐसे प्रश्न छोड़े जिनका संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। सरकारी व्यवस्था का खेल समझने वाले यशवंत सिन्हा सबसे पहले चंद्रशेखर की कुछ महीनों की कांग्रेस समर्थित सरकार में वित्त मंत्री बन गए । विश्व बैंक की शर्तों पर भारत की आर्थिक नीति का मसविदा तभी बना । फिर कांग्रेस के नरसिम्हा राव के कार्यकाल में मनमोहन सिंह ने उस मसविदों को अपने ढंग से उदारवादी नीति की तरह लागू करना शुरु किया । अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में यशवंत सिन्हा फिर से जोड़ तोड़ कर वित्त मंत्री बनने में सफल हुए । उनके कार्यकाल में 2001 का शेयर बाजार संकट और यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया (यू टी आई) का S-64 संकट देश की आर्थिक व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बनकर सामने आया।S-64 में लाखों छोटे निवेशकों ने अपनी बचत लगाई थी। इसी दौर में केतन पारेख का शेयर बाजार घोटाला सामने आया। इस प्रकरण में बैंकों, सहकारी बैंकों, कंपनियों और शेयर दलालों के बीच संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की जांच हुई। संसदीय संयुक्त समिति ने 2002 में अपनी रिपोर्ट पेश की। समिति ने केतन पारेख को घोटाले का प्रमुख खिलाड़ी माना और यू टी आई के तत्कालीन प्रबंधन तथा वित्त मंत्रालय की निगरानी संबंधी कमियों पर सवाल उठाए। सरकार किसी भी पार्टी की हो, वित्त मंत्रालय और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी केवल बजट प्रस्तुत करना नहीं, बल्कि वित्तीय संस्थानों में संकट के संकेतों पर समय पर कार्रवाई करना है ।

फारूक अब्दुल्ला का नाम भी जम्मू-कश्मीर में बैंक खातों और क्रिकेट एसोसिएशन के धन के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामले में आया। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन को 2002 से 2011 के बीच बी सी सी आई से लगभग 113 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। सीबीआई ने आरोप लगाया कि इसमें से 43.69 करोड़ रुपये का कथित गबन हुआ।2018 में सीबीआई ने फारूक अब्दुल्ला सहित चार व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। इसमें एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर बैंक की खनयार शाखा के एक अधिकारी का नाम भी शामिल था।प्रवर्तन निदेशालय ने भी इस मामले में जांच की और फारूक अब्दुल्ला से संबंधित वित्तीय लेन-देन की पड़ताल की। वैसे यह यह जम्मू-कश्मीर बैंक के अपने धन का कथित घोटाला नहीं , बल्कि क्रिकेट एसोसिएशन के धन के कथित गबन का मामला था, जिसमें बैंक खातों और बैंक अधिकारी की भूमिका भी जांच के दायरे में आई। यह उदाहरण दिखाता है कि राजनीतिक पद, संस्थाओं का प्रबंधन और बैंकिंग लेन-देन जब एक-दूसरे से जुड़ते हैं तो पारदर्शिता कितनी जरूरी हो जाती है। सरकारी बैंकों की एक बड़ी समस्या लंबे समय से उनके शीर्ष प्रबंधन की नियुक्तियों और निर्णय प्रक्रिया में सरकारी प्रभाव को लेकर रही है।बैंकों के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक और निदेशक मंडल के सदस्यों के लिए वित्तीय विशेषज्ञता, बैंकिंग अनुभव, जोखिम प्रबंधन और स्वतंत्र निर्णय क्षमता जरूरी है। लेकिन जब नियुक्तियों में राजनीतिक नजदीकी, प्रशासनिक पसंद या व्यक्तिगत संबंधों को प्राथमिकता मिलने लगे तो संस्थागत स्वतंत्रता कमजोर होती है। बैंकिंग क्षेत्र में राजनीतिक हस्तक्षेप की समस्या को कई समितियों और विशेषज्ञों ने गंभीरता से उठाया है। शायद इसीलिए मोदी सरकार ने कई बैंकों में निदेशक नियुक्त नहीं किए । दीपावली पर व्यापारी अपने पुराने बही-खातों का हिसाब करते हैं। लक्ष्मी पूजन के अवसर पर देश को यह संकल्प लेना चाहिए कि बैंकिंग व्यवस्था में न राजनीतिक सिफारिश चलेगी, न उद्योगपतियों का दबाव और न भ्रष्ट अधिकारियों की मनमानी। सरकारी बैंक हों या निजी बैंक, सबके लिए एक समान वित्तीय अनुशासन होना चाहिए।बैंक का धन जनता का विश्वास है। उसे बचाना सरकार, रिजर्व बैंक, बैंक प्रबंधन और राजनीतिक दलों, सभी की जिम्मेदारी है।दीपावली की असली लक्ष्मी वही है जो ईमानदारी से अर्जित हो, सुरक्षित रहे और देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान दे। बही-खाते में केवल लाभ नहीं, जवाबदेही का हिसाब भी साफ होना चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

तीर्थयात्रियों के जीवन पर भारी पड़ती हेलीकॉप्टर यात्रा, सख्त एक्शन जरूरी

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार



भारत में वर्ष पर्यन्त धार्मिक अनुष्ठान पूजा स्नान पर्व त्यौहार व यात्राओं का सिलसिला जारी रहता है जैसे विज्ञान की तरक्की हो रही है धार्मिक स्थलों की यात्रा जो कालांतर में पथरीली पहाड़ियों से पद यात्रा करते हुए बहुत जटिल और दुर्गम परिस्थितियों में की जाती रहीं अब यातायात के आधुनिक परिवहन साधनों के जरिए की जाने लगीं है इसी के चलते अब सम्पन्न लोगों के लिए हेली सर्विस धार्मिक स्थलों की सुगम यात्राएं कराने लगी हैं । लेकिन इनमें सुरक्षा इंतजाम में जबरदस्त खामी और नियमों का उल्लंघन लगातार दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। हाल ही में 30 अक्टूबर को हुए हादसे में जोशीमठ इलाके में धार्मिक पर्यटन कर रहे चौपर सवार छह श्रद्धालुओं की दुखद मौत ने एक बार फिर हैलीकॉप्टर सेवा दे रही कंपनियों द्वारा बरती जा रही अनियमितता और भारी लापरवाही को अनावृत कर दिया है।



भारत में धार्मिक पर्यटन जैसे चारधाम यात्रा, वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा के दौरान पिछले कुछ वर्षों में कई दुखद हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई हैं। हिमालयी क्षेत्रों का अचानक बदलता मौसम, खराब दृश्यता और कठिन भौगोलिक परिस्थितियां इन हादसों का मुख्य कारण रही हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अकेले उत्तराखंड में साल 2016 से 2026 के बीच 12 हेलीकॉप्टर हादसे हो चुके हैं, जिनमें 21 लोगों की जान गई है। उत्तराखंड के केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के रूट पर सबसे ज्यादा हादसे दर्ज किए गए हैं। आपको बता दें कि 30 अक्टूबर 2026 जोशीमठ/बदरीनाथ धाम से देहरादून लौट रहा ट्रांस भारत एविएशन का एक निजी हेलीकॉप्टर खराब मौसम और बर्फबारी के बीच चमोली जिले में हाथी पर्वत (चाई गांव) के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट सहित 6 लोगों की मौत हो गई। 15 जून 2025 केदारनाथ घाटी आर्यन एविएशन का बेल 407 हेलीकॉप्टर केदारनाथ से गुप्तकाशी लौटते समय गौरीकुंड (गौरीमाई खर्क) के पास घने बादलों के कारण पहाड़ी से टकरा गया। इस हादसे में पायलट और एक बच्चे समेत 7 लोगों की जान चली गई। 18 अक्टूबर 2022 केदारनाथ धाम से उड़ान भरने के महज 5-6 सेकंड बाद ही एक हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी और खराब विजिबिलिटी के कारण क्रैश हो गया, जिसमें 7 श्रद्धालुओं की मौत हुई थी।

मई 2025 देहरादून से हर्षिल यमुनोत्री मार्ग जा रहा एक और बेल 407 हेलीकॉप्टर पहाड़ी से टकराया, जिसमें 6 पर्यटकों की मौत हो गई थी।

जम्मू-कश्मीर माता वैष्णो देवी यात्रा नवंबर 2015 के हादसे में माता वैष्णो देवी के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं को ले जा रहा एक निजी हेलीकॉप्टर कटरा में टेक-ऑफ के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। शुरुआती जांच में पता चला था कि रोटर (पंखे) से एक गिद्ध के टकराने के कारण हेलीकॉप्टर में आग लग गई थी। इस हादसे में एक महिला पायलट समेत 7 लोगों की मौत हो गई थी। 2026 जोशीमठ (बदरीनाथ मार्ग) ट्रांस भारत एविएशन का हेलीकॉप्टर खराब मौसम और बर्फबारी से प्रभावित दृश्यता के चलते पांच श्रद्धालुओं और एक पायलट की मौत हो गई।

2025 गौरीकुंड सोनप्रयाग (केदारनाथ मार्ग) आर्यन एविएशन घने बादल और कम दृश्यता के कारण छह तीर्थयात्रियों एक बच्चा और एक पायलट की मौत हो गई थी। 8 मई 2025 को हर्षिल (यमुनोत्री मार्ग) पर खराब मौसम के कारण पहाड़ी से टकरा कर चौपर गिरने से पांच महिला श्रद्धालुओं और पायलट की मौत हो गई।

18 अक्टूबर 2022 को केदारनाथ घाटी आर्यन एविएशन के चौपर में तकनीकी खराबी और कोहरा के चलते छल श्रद्धालु और एक पायलट की मौत हो गई। अप्रैल 2018 में केदारनाथ हैलीपेड पर लेंडिंग के दौरान वायुसेना के मालवाहक चोपर के क्रश हो जाने से एक मौत व तीन जख्मी हुए।

23 नवंबर 2015 कटरा सांझीछत वैष्णो देवी पर पक्षी (गिद्ध) का टकराना और आग लगना छह श्रद्धालुओं और एक महिला पायलट का जीवन लील गया।

सुरक्षा को लेकर उठाए गए कदम सिर्फ कागजो पर चल रहे हैं।

लगातार हो रहे हादसों के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने सुरक्षा नियमों को काफी कड़ा कर दिया है। अब खराब मौसम की स्थिति में उड़ानों को तुरंत स्थगित करने का दावा किया जाता है, हेलीकॉप्टरों के अंदर इन-कैब कैमरे अनिवार्य किए जा रहे हैं, और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के पूरे बेड़े को ग्राउंड करने जैसी सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस के बावजूद हेली हादसे बता रहे हैं कि तमाम नियम कानून और निर्देश सिर्फ काग़ज़ पर चल रहे हैं और एविएशन कंपनी अधिक लाभ कमाने के लालच में असामान्य परिस्थितियों में भी चौपर उड़ान करा पायलट और श्रद्धालु यात्रियों की जान से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रही है। राज्यसभा में प्रस्तुत सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 से 2025 के बीच पूरे भारत में कुल 12 बड़े हेलीकॉप्टर हादसे हुए हैं, जिनमें कम से कम 30 लोगों की मौत हुई है। इन आँकड़ों से पता चलता है कि उत्तराखंड में सबसे ज्यादा हादसे सामने आ रहे हैं। कुल 12 बड़े हादसों में से 7 दुर्घटनाएं अकेले उत्तराखंड में हुई हैं, और देश भर में हुई 30 मौतों में से 21 मौतें यानि करीब 70% इसी राज्य में हुई हैं। जबकि अन्य राज्यों में इसी अवधि में महाराष्ट्र में 4 हेलीकॉप्टर क्रैश हुए जिनमें 7 लोगों की जान गई, और छत्तीसगढ़ में 1 दुर्घटना हुई जिसमें 2 लोगों की मौत हुई।

उत्तराखंड में (2016 से 2026) पिछले 10 वर्षों (2016-2026) के दौरान अकेले उत्तराखंड में लगभग 13 हेलीकॉप्टर घटनाएं जिनमें जानलेवा हादसे और इमरजेंसी लैंडिंग शामिल हैं जिनसे वहां कुल 27 से अधिक लोगों की जान गई है।

सरकार को इन तमाम हादसों से सबक लेना चाहिए और एविएशन कंपनियों को नियमों का पालन करने और मनमानी पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

कदर करना सीख लीजिए, ना जिंदगी वापस आती है, ना जिंदगी में आए हुए लोग। कई बार तबीयत दवा लेने से नहीं, हाल पूछने से भी ठीक हो जाती है।

-अज्ञात

निशाना

मेरे हाथ जल रहे हैं...



चौधरी मदन मोहन समर

मैं छिपकली से डर,
घर छोड़ आ गया था।
जो बाजुओं में देखा,
तो सांप पल रहे हैं।
वो आग थी किसी की,
सोचा चलो बुझा दूं।
बैठा है बेफिक्र वो,
मेरे हाथ जल रहे हैं।

हेल्थ अपडेट

40 की उम्र के बाद बदलने लगती है शरीर की गंध, ले सकते हैं डॉक्टरी सलाह

उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कई बदलाव होते हैं। चेहरे पर झुर्रियां, बालों का सफेद होना और त्वचा का रूखा पड़ना आम है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि 40 की उम्र के बाद शरीर की प्राकृतिक गंध भी बदल सकती है? कई लोगों को इस उम्र में शरीर से अलग या तेज गंध महसूस होने लगती है। इसके पीछे त्वचा का तेल, बैक्टीरिया और हार्मोनल बदलाव जिम्मेदार हो सकते हैं।



त्वचा में मौजूद सेबेशियस ग्लैंड्स सीबम यानी प्राकृतिक तेल बनाती हैं। यह त्वचा को नमी देने और उसकी सुरक्षा करने में मदद करता है। उम्र बढ़ने के साथ इस तेल में मौजूद फैटी एसिड और लिपिड की संरचना बदल सकती है। एक अध्ययन में 26 से 75 वर्ष की उम्र के लोगों की त्वचा से निकलने वाले रसायनों का विश्लेषण किया गया। इसमें 40 वर्ष से अधिक उम्र के प्रतिभागियों में 2-Nonenal नाम का यौगिक पाया गया। यह त्वचा के तेल में मौजूद फैटी एसिड के ऑक्सीडेशन से बन सकता है। इसकी गंध बासी तेल जैसी हो सकती है।

हमारी त्वचा पर कई तरह के बैक्टीरिया प्राकृतिक रूप से मौजूद रहते हैं। जब ये बैक्टीरिया पसीने और त्वचा के स्राव को तोड़ते हैं, तो गंध पैदा करने वाले रसायन बनते हैं। शरीर में दो तरह की पसीने की ग्रंथियां महत्वपूर्ण हैं। एक्राइन ग्लैंड्स शरीर के ज्यादातर हिस्सों में होती हैं और पानी वाला पसीना निकालती हैं। वहीं एपोक्राइन ग्लैंड्स मुख्य रूप से अंडरआर्म और जननांगों के आसपास होती हैं। इनके स्राव को बैक्टीरिया तोड़ते हैं, जिससे तेज गंध पैदा हो सकती है।

40 की उम्र के आसपास महिलाओं में पेरिमेनोपॉज शुरू हो सकता है। इस दौरान एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन के स्तर में उतार-चढ़ाव होता है। इससे हॉट फ्लैशेज और रात में पसीना आने की समस्या हो सकती है। अधिक पसीने के कारण शरीर की गंध प्रभावित हो सकती है। हालांकि, हर महिला में ऐसा होना जरूरी नहीं है। शरीर की गंध से बचने के लिए रोजाना नहाएं और अंडरआर्म की सफाई रखें। पसीने के बाद कपड़े बदलें। सूती और आरामदायक कपड़े पहनें।

जरूरत के अनुसार डियोडरेंट या एंटीपर्सपिरेंट इस्तेमाल करें। पर्याप्त पानी पिएं और संतुलित खानपान रखें। अगर शरीर की गंध अचानक बहुत बदल जाए या इसके साथ अत्यधिक पसीना, बुखार अथवा वजन कम होने जैसे लक्षण दिखाई दें तो डॉक्टर से सलाह लें।

कंज्यूमर अपडेट

ऑनलाइन शॉपिंग में 64 लाख फिशिंग हमले रोके, अभी भी टला नहीं है खतरा

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन शॉपिंग पर मिलने वाले भारी डिस्काउंट और आकर्षक ऑफर्स का फायदा उठाने के लिए लोग ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर खूब खरीदारी करते हैं। लेकिन इसी दौरान साइबर ठग भी सक्रिय हो जाते हैं। फर्जी वेबसाइट, नकली डिस्काउंट और डिलीवरी के नाम पर लोगों को ठगने के मामले बढ़ रहे हैं। साइबर सुरक्षा कंपनी कैस्पर्सकी (Kaspersky) के मुताबिक, जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच भारत में ऑनलाइन स्टोर, बैंक और पेमेंट सिस्टम के नाम पर किए गए 64 लाख से ज्यादा फिशिंग प्रयासों को ब्लॉक किया गया। इनमें करीब आधे हमले ऑनलाइन खरीदारों को निशाना बनाकर किए गए थे।



स्कैमर्स बड़ी कंपनियों और लोकप्रिय ब्रांड्स के नाम से मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइट बनाते हैं। हाल ही में iPhone Duo के नाम पर ऐसी नकली वेबसाइटें सामने आईं, जहां 25 प्रतिशत डिस्काउंट, काउंटडाउन टाइमर और व्हाट्सऐप पर बातचीत की सुविधा दिखाई गई। ग्राहक जल्दबाजी में ऑफर का फायदा उठाने के लिए अपनी निजी और बैंकिंग जानकारी साझा कर देते हैं।

साइबर ठग त्योहारों और बड़े आयोजनों का फायदा उठाते हैं। वर्ष 2025 में महाकुंभ के दौरान भी नकली सामान बेचने वाली वेबसाइटों की शिकायतें सामने आई थीं। लोग सामान खरीदने के लिए भुगतान कर देते थे, लेकिन उन्हें डिलीवरी नहीं मिलती थी।

कई लोगों को मैसेज भेजा जाता है कि उनका पार्सल डिलीवर नहीं हो पाया है या दोबारा डिलीवरी के लिए छोटी फीस जमा करनी होगी। मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक करते ही फर्जी पेमेंट पेज खुल सकता है। यहां कार्ड डिटेल, पासवर्ड और ओटीपी चुराने की कोशिश होती है।

असली और नकली वेबसाइट में पहचान करने के लिए वेबसाइट का URL ध्यान से जांचें। स्पेलिंग में छोटी गलती भी फर्जी वेबसाइट का संकेत हो सकती है। बहुत ज्यादा डिस्काउंट और जल्द खरीदारी का दबाव बनाने वाले ऑफर्स से सावधान रहें। अनजान व्हाट्सऐप और SMS लिंक से खरीदारी न करें। ऑर्डर और पार्सल की स्थिति आधिकारिक ऐप या वेबसाइट पर ही जांचें। किसी अनजान व्यक्ति को ओटीपी, पासवर्ड या कार्ड की जानकारी न दें। याद रखें, पैसे प्राप्त करने के लिए PI PIN डालने की जरूरत नहीं होती। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर स्क्रीन शेयरिंग ऐप डाउनलोड न करें। ऑनलाइन खरीदारी के लिए वर्चुअल कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं। बैंक खाते के ट्रांजेक्शन नियमित रूप से जांचते रहें।

छठ महापर्व की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, सात घाटों पर सजेगा आस्था का दरबार

नपा अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल ने किया सभी छठ घाटों का निरीक्षण, कृत्रिम कुंड बनाकर महिलाओं के लिए की जाएगी अर्घ्य की व्यवस्था

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक नगरी मंडीदीप में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। भोजपुरी समाज के तत्वावधान में इस वर्ष नगर के सात प्रमुख स्थानों पर छठ महापर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। तैयारियों का जायजा लेने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल ने अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल और नपा कर्मचारियों के साथ सभी छठ घाटों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने कलियासोत छठ घाट सहित अन्य स्थानों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक तैयारियों को लेकर



जानकारी ली। नगर के सातों घाटों पर महिलाओं के अर्घ्य देने के लिए कृत्रिम कुंड बनाए जाएंगे। भोजपुरी समाज के पदाधिकारियों ने भी आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। निरीक्षण के दौरान समाज के अध्यक्ष कृष्ण कुमार चौबे, संचालक शिवशंकर मिश्रा, महासचिव महेश सिंह सहित अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और समाज के वरिष्ठजन मौजूद रहे।

सात घाटों पर उमड़ेगी आस्था, बनेंगे कृत्रिम कुंड

छठ महापर्व के आयोजन के लिए मंडीदीप के सात स्थानों को तैयार किया जा रहा है। इनमें कलियासोत छठ घाट, सतलापुर छठ घाट, राहुल नगर छठ घाट, सांवलिया बिहार छठ घाट, भव्य सिटी छठ घाट, पटेल नगर छठ घाट और शीतल टाउन छठ घाट शामिल हैं। सभी घाटों पर महिलाओं के अर्घ्य देने के लिए कृत्रिम कुंड तैयार किए जाएंगे। भोजपुरी समाज के पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक मिलकर घाटों की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

भोजपुरी समाज ने संभाली आयोजन की कमान

छठ महापर्व को भव्य रूप देने के लिए भोजपुरी समाज की नवीन कार्यकारिणी सक्रिय हो गई है। समाज अध्यक्ष कृष्ण कुमार चौबे, संचालक शिवशंकर मिश्रा, महासचिव महेश सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष सच्चिदानंद सिंह, युवा भोजपुरी समाज अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और त्योहार समिति अध्यक्ष राकेश सिंह रज्जू भैया सहित महिला मोर्चा अध्यक्ष रचना सिंह आयोजन की तैयारियों में जुटे हैं। आशीष मिश्रा, सोमेश्वर सिंह, पंकज सिंह, अमित सिंह, विकेश सिंह सहित विभिन्न घाटों के प्रतिनिधि और समाज के वरिष्ठजन भी व्यवस्थाओं में सहयोग करेंगे।

114 परिवारों को मिला जमीन का मालिकाना हक, अब बैंक लोन भी आसान

रायसेन। स्वामित्व योजना के तहत ग्राम पंचायत कानपोहरा के मुरैल खुर्द में ग्रामीणों को आबादी भूमि का कानूनी मालिकाना हक मिल रहा है। शनिवार को पटवारी महेश सूत्रकार ने 22 प्रकरणों का निराकरण कर रजिस्ट्रियां पूरी कराईं। अब तक पंचायत में करीब 114 रजिस्ट्रियां हो चुकी हैं। इससे ग्रामीणों को प्रॉपर्टी कार्ड के आधार पर बैंक लोन और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। हालांकि, ग्रामीणों के अनुसार ड्रोन सर्वे में 60 से 70 मकान छूट गए हैं। कई मकान 25 से 30 साल पुराने हैं। पटवारी ने आश्वासन दिया कि दोबारा सर्वे होने पर छूटे मकानों के नाम भी जोड़े जाएंगे।

न्यूज विंडो

डीएनए रिपोर्ट ने खोली पिता की करतूत पत्नी की हत्या में उम्रकैद की सजा



बैतूल। पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या करने वाले पति को बैतूल जिला न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले में मृतका की 13 वर्षीय बेटी घटना की अहम गवाह थी, लेकिन अदालत में वह अपने पुलिस बयान से मुकर गई। इसके बावजूद वैज्ञानिक साक्ष्यों ने आरोपी को सजा दिलाने में अहम भूमिका निभाई। जिला न्यायाधीश दिनेश चंद्र थपलियाल की अदालत ने सुखराम सेलुकर को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। लोक अभियोजक नितिन मिश्रा के अनुसार, 3 अगस्त 2025 को चिचोली थाना क्षेत्र के ग्राम चिखली के पटवारीढाना में 45 वर्षीय सुम्मी का खून से लथपथ शव घर में मिला था। पोस्टमार्टम में कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई थी। पुलिस को बेटी ने बताया था कि खाना बनाने की बात पर माता-पिता के बीच विवाद हुआ और इसी दौरान पिता ने मां पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हालांकि, अदालत में उसने घटना देखने से इनकार कर दिया। मृतका की बहन भी प्रत्यक्षदर्शी नहीं होने की बात कहकर मुकर गई। इसके बावजूद घटनास्थल के खून और आरोपी के कपड़ों पर मिले धब्बों की डीएनए जांच रिपोर्ट ने हत्या में उसकी संलिप्तता साबित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खून से सने कपड़ों और घटनास्थल के साक्ष्यों ने साबित किया जुर्म, बैतूल जिला न्यायालय का फैसला

जन्मदिन पर 11 पौधे लगाकर दिया सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण का संदेश



तेंदूखेड़ा। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह लोधी ने अपना जन्मदिन सामाजिक सरोकारों के साथ मनाकर अनूठी मिसाल पेश की। उन्होंने जन्मदिन पर केक काटने के बजाय पर्यावरण संरक्षण और सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। सुबह प्रसिद्ध गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने शुभकामनाएं देने पहुंचे लोगों से बाइक चलाते समय हेलमेट और कार में सीट बेल्ट लगाने का संकल्प लेने की अपील की। इसके बाद थाना परिसर में थाना प्रभारी ने 11 फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम में तेंदूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर सहित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भी पौधे लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प लिया। थाना प्रभारी ने लोगों से जन्मदिन और शादी की सालगिरह जैसे विशेष अवसरों पर पौधे लगाने की अपील करते हुए कहा कि हेलमेट पहनना केवल नियम नहीं, बल्कि स्वयं और परिवार की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। एसडीओपी अर्चना अहीर ने पहल की सराहना करते हुए पौधों की नियमित देखभाल और यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया।

तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह लोधी की अनूठी पहल, लोगों से हेलमेट पहनने और जन्मदिन व सालगिरह पर पौधरोपण करने की अपील

सड़क से उखड़ा डामर, जगह-जगह गड्ढे, नीचे नदी में मगरमच्छों का भी खतरा

हादसे को न्योता दे रहा व्यारमा नदी का पुल, दो मानसून बीते... नहीं लगी रेलिंग

तारादेही। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा ब्लॉक के तारादेही ग्राम में व्यारमा नदी पर बना पुल लंबे समय से बदहाली का शिकार है। पुल की रेलिंग टूटे डेढ़ साल से अधिक समय बीत चुका है और दो मानसून भी निकल गए, लेकिन जिम्मेदार विभाग ने अब तक रेलिंग नहीं लगवाई। पुल की सड़क से डामर उखड़ चुका है और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। ऐसे में यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को हर समय हादसे का डर बना रहता है।

वर्ष 2025 में आई भीषण बाढ़ के दौरान पुल की रेलिंग कई हिस्सों में बह गई थी। इसके बाद से पुल बिना सुरक्षा इंतजामों के है। यह पुल तेंदूखेड़ा, पाटन, देवरी, तारादेही और दमोह सहित दर्जनों गांवों को जोड़ता है। भोपाल-सागर-जबलपुर-नरसिंहपुर मार्ग पर स्थित होने के कारण यहां से प्रतिदिन बसों और सैकड़ों वाहनों की आवाजाही होती है।

पुल के दोनों ओर मोड़ होने और सड़क पर गहरे गड्ढों के कारण दुर्घटना का खतरा और बढ़ गया है। विशेषकर रात के समय लोडिंग वाहनों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को निकलने में परेशानी होती है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद प्रशासन ने अब तक सुध नहीं ली। उन्होंने जल्द रेलिंग लगाने, गड्ढों की मरम्मत और नए सिरे से डामरीकरण कराने की मांग की है।



नदी में हजारों मगरमच्छ, नीचे गिरने पर जान का खतरा

व्यारमा नदी में मगरमच्छों की बड़ी आबादी होने से पुल पर हादसे का खतरा और गंभीर हो जाता है। ग्रामीणों के अनुसार कोटखेड़ा, तारादेही, झलौन, तेजगढ़ और इमलिया सहित आसपास के क्षेत्रों से होकर बहने वाली इस नदी में पांच हजार से अधिक छोटे-बड़े मगरमच्छ हैं। बारिश के दिनों में मगरमच्छ नदी से निकलकर रिहायशी इलाकों तक पहुंच जाते हैं। ऐसे में बिना रेलिंग वाले पुल से यदि कोई वाहन नदी में गिरता है तो चालक और यात्रियों के लिए स्थिति बेहद खतरनाक हो सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल पर सुरक्षा इंतजाम नहीं होने से हर समय अनहोनी की आशंका बनी रहती है।

दो मानसून गुजर गए, लेकिन जिम्मेदारों ने अब तक नहीं ली सुध

वर्ष 2025 में व्यारमा नदी में आई भीषण बाढ़ ने आसपास के एक दर्जन गांवों में तबाही मचाई थी। दर्जनों किसानों की फसलें डूब गई थीं और कई परिवारों के घरों को नुकसान पहुंचा था। बाढ़ के तेज बहाव में पुल की रेलिंग के साथ सड़क का डामर भी बह गया था। इसके बाद पुल की मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की उम्मीद थी, लेकिन डेढ़ साल से अधिक समय गुजरने के बाद भी हालात जस के तस हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा क्या? उन्होंने चेतावनी दी है कि समय रहते मरम्मत और रेलिंग नहीं लगाई गई तो कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है।

नशे की दवाई बेची, युवक की मौत के बाद 3 मेडिकल स्टोर संचालक गिरफ्तार

बिना डॉक्टर के पर्चे के एविल इंजेक्शन और अल्प्राजोलम बेचने का आरोप, पांच गुना तक वसूलते थे कीमत, पुलिस ने 230 एमएल एविल इंजेक्शन किया जब्त

विदिशा। नशीली दवाओं की अवैध बिक्री और युवक की मौत के मामले में विदिशा पुलिस ने भोपाल के तीन मेडिकल स्टोर संचालकों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि संचालक बिना डॉक्टर के पर्चे के एविल इंजेक्शन और अल्प्राजोलम की बिक्री कर रहे थे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है।

थाना प्रभारी आनंद राज के अनुसार, शहर के श्रद्धानंद पथ निवासी 26 वर्षीय आदर्श मालवीय की 25 सितंबर को मौत हो गई थी। जांच में सामने आया कि आदर्श नशे का आदी था। विदिशा में स्मैक उपलब्ध नहीं होने पर वह एविल इंजेक्शन में अल्प्राजोलम मिलाकर नशा करता था। ये दवाएं वह भोपाल के ग्लोबल मेडिकल स्टोर और इंडियन मेडिकल स्टोर से खरीदता था। पुलिस ने मेडिकल स्टोर संचालक फराज अहमद (29), सोहेल रहीम (30) और साजिद खान (50) को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 230 एमएल एविल इंजेक्शन जब्त किया है। आरोप है कि वे दवाओं की निर्धारित कीमत से पांच गुना तक अधिक राशि वसूलते थे।

जज बनने का रास्ता छोड़ महावीर के मार्ग पर चलेगी बैतूल की बेटी

सिविल जज के पद पर चयन के बाद भी चुना वैराग्य का रास्ता, 22 नवंबर को लेंगी जैनेश्वरी दीक्षा

बैतूल। दोपहर मेट्रो



ऊंची शिक्षा, एलएलएम में गोल्ड मेडल और सिविल जज के पद पर चयन... उपलब्धियों से भरा भविष्य सामने होने के बावजूद बैतूल की बेटी प्रखरश्री दीदी ने सांसारिक सुख-सुविधाओं के बजाय वैराग्य का मार्ग चुन लिया है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से उच्च शिक्षा हासिल करने वाली प्रखरश्री अब जैनेश्वरी दीक्षा लेकर संयम और साधना के जीवन में प्रवेश करेंगी।

उनके इस त्याग के सम्मान में रविवार को सकल जैन समाज की ओर से पांच दीक्षार्थी बहनों की भव्य बिनौली निकाली गई। विंटेज कारों, सजी हुई शाही बग्घियों और उदयपुर से आए बैंड की प्रस्तुतियों के बीच श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर बहनों का स्वागत किया। समारोह का समापन जैन दादावाड़ी में गोदभराई की पारंपरिक रस्म के साथ हुआ।

बचपन से आध्यात्मिक रुचि रखने वाली प्रखरश्री का वर्ष 2023 में सिविल जज के पद पर चयन हुआ था। उन्होंने माता-पिता की इच्छा पूरी करने के लिए न्यायिक परीक्षा उत्तीर्ण की, लेकिन उनका मन वैराग्य की ओर था। उनका कहना है कि भगवान महावीर के मार्ग पर चलकर वे समाज की अधिक सेवा कर सकेंगी। प्रखरश्री सहित पांचों बहनें 22 नवंबर को जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण करेंगी।

ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र पर दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

केवल घर नहीं, मन के विकारों को मिटाकर अंतर्मन में भी जलाएं ज्ञान का दीप : रेखा दीदी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

दीपावली केवल घरों को दीपों से रोशन करने का पर्व नहीं, बल्कि अपने अंतर्मन को ज्ञान और सकारात्मकता के प्रकाश से प्रकाशित करने का अवसर भी है। इसी आध्यात्मिक संदेश के साथ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के चर्च वाली गली, बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र पर दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आध्यात्मिक ज्ञान, आत्मचिंतन और श्रेष्ठ संस्कारों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया। समारोह में एसडीओपी शिखा भलावी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने दीपावली को अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि आत्मा में ज्ञान का दीप प्रज्वलित होने



से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने कहा कि जिस प्रकार दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है, उसी प्रकार ज्ञान मनुष्य को श्रेष्ठ कर्मों और दिव्य गुणों की ओर प्रेरित करता है। दीपावली पर घर की सफाई के साथ मन में छिपे ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और विकारों को भी दूर करना चाहिए। बाहरी दीपों के साथ अंतर्मन में ज्ञान का दीप जलाना ही वास्तविक दीपावली है। एसडीओपी शिखा भलावी ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और नई प्रेरणा देते हैं। समारोह में स्वाति राणा, अक्षिता, शिवांगी, अयाना, अनन्या और सनातन ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का समापन आपसी स्नेह, सद्भाव और आध्यात्मिक जागृति के संकल्प के साथ हुआ।

मेट्रो एंकर जनजातीय बालक छात्रावास में उत्साह से मना मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस, पौधरोपण का लिया संकल्प

खीर-पूड़ी के स्नेह भोज के बीच बच्चों को मिला सफलता का मंत्र

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस पर अनुसूचित जनजाति सीनियर बालक छात्रावास तेंदूखेड़ा में रविवार को उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। छात्रावास अधीक्षक अमीन सिंह लोधी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के लिए विशेष स्नेह भोज का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को गरमागरम खीर, पूड़ी और छोले की सब्जी परोसी गई। सभी विद्यार्थियों ने एक साथ बैठकर भोजन किया और स्थापना दिवस की खुशियां साझा कीं।

इस अवसर पर अधीक्षक लोधी ने विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश के गठन और प्रदेश की गौरवशाली यात्रा की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को नियमित पढ़ाई, अनुशासन और



जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि बड़ा लक्ष्य रखकर प्रतिदिन मेहनत करने से सफलता जरूर मिलती है। पूर्व छात्रावास अधीक्षक कमोद सिंह ठाकुर विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने भी बच्चों के साथ भोजन कर स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं।

जन्मदिन पर पौधा लगाने का दिया संदेश

स्थापना दिवस के अवसर पर छात्रावास अधीक्षक अमीन सिंह लोधी ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र अपने जन्मदिन पर छात्रावास परिसर में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी नियमित देखभाल भी करे। साथ ही अपने परिजनों और अन्य लोगों को भी पौधरोपण के लिए प्रेरित करे। उन्होंने बताया कि पर्यावरण को सुरक्षित रखना सभी की जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयासों से आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण तैयार किया जा सकता है। विद्यार्थियों को छात्रावास के नियमों और शासन की गाइडलाइन का पालन करने की समझाइश भी दी गई।

मेहनत, लिखने-पढ़ने की आदत से बनेगा भविष्य

अधीक्षक अमीन सिंह लोधी ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता पाने के लिए नियमित अध्ययन और निरंतर परिश्रम का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को श्रम से बचना नहीं चाहिए और लिखने-पढ़ने में कभी कंजूसी नहीं करनी चाहिए। पढ़ाई और लेखन का नियमित अभ्यास ही ज्ञान को मजबूत बनाता है। यदि विद्यार्थी अभी से मेहनत और अनुशासन की आदत विकसित करेंगे तो भविष्य की चुनौतियों का सामना आसानी से कर सकेंगे। उन्होंने बच्चों को अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर रहने और समय का सदुपयोग करने की सलाह दी। आयोजन ने छात्रावास में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश भी दिया।

स्थापना दिवस : बच्चों ने जाना मप्र का गौरवशाली इतिहास

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास तेंदूखेड़ा में 1 नवंबर को मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस एवं छात्रावास दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मध्यप्रदेश गान से हुई। इस दौरान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से खेलकूद एवं निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को मध्यप्रदेश के गठन, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि 1 नवंबर 1956 को प्रदेश का गठन हुआ था और भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विशेषताओं के कारण इसे



देश का हृदय कहा जाता है। विद्यार्थियों ने आदिवासी संस्कृति और प्रदेश की विविध परंपराओं पर आधारित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में जिला कार्यसमिति सदस्य कुंवर अरविंद प्रताप सिंह, पार्षद गोपाल सिंह ठाकुर, शिवराज सिंह लोधी और पंचू सिंह ठाकुर ने विद्यार्थियों को शिक्षा, खेल और अनुशासन का महत्व बताते हुए बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया।

लाइसेंस फीस नहीं चुकाई तो आबकारी विभाग ने छीन लिया शराब दुकानों का ठेका, 9 करोड़ से ज्यादा की राशि राजसात

धार की 7 कंपोजिट शराब दुकानें विभाग ने कीं टेकओवर, 147 दिनों के लिए नए सिरे से होगा ई-टेंडर

धार। दोपहर मेट्रो

अक्टूबर माह की लाइसेंस फीस जमा नहीं करना शराब ठेकेदार को भारी पड़ गया। आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मेसर्स सिया इंटरप्राइजेज की जिले की सात कंपोजिट शराब दुकानों के लाइसेंस निरस्त कर उनका संचालन अपने हाथ में ले लिया है। विभाग ने ठेकेदार को 16, 23 और 29 अक्टूबर को नोटिस जारी किए थे, लेकिन न तो संतोषजनक जवाब मिला और न ही बकाया फीस जमा की गई।

धार शहर की दो, गरड़ावद, बाग की दो, टांडा और रिंगनोद स्थित दुकानों का संचालन विभाग ने शुरू कर दिया है। अब इन दुकानों



का 5 नवंबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक 147 दिनों के लिए ई-टेंडर के माध्यम से पुनः आवंटन किया जाएगा। निविदाएं 4 नवंबर को खोली जाएंगी। पूरी प्रक्रिया कलेक्टर राजीव रंजन मीणा के मार्गदर्शन में की जा रही है। सहायक आबकारी आयुक्त दीपक अवस्थी के अनुसार, संबंधित फर्म ने लाइसेंस फीस जमा नहीं की थी। विभाग ने ठेकेदार की करीब 6 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी और साढ़े तीन करोड़ रुपए की धरोहर राशि राजसात करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

सिया इंटरप्राइजेज ने शराब दुकानों का ठेका लेने के दौरान करीब 6 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी और साढ़े तीन करोड़ रुपए धरोहर राशि जमा की थी। अक्टूबर की लाइसेंस फीस जमा नहीं करने और नोटिसों का जवाब नहीं देने पर आबकारी विभाग ने 9 करोड़ रुपए से अधिक की इस राशि को राजसात करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग की कार्रवाई से शराब कारोबारियों में भी हलचल है। लाइसेंस निरस्त होने के बाद अब संबंधित दुकानों का संचालन सीधे आबकारी विभाग के नियंत्रण में रहेगा।

26 करोड़ से अधिक आरक्षित मूल्य पर होगा पुनः आवंटन : आबकारी विभाग के अनुसार सात दुकानों के लिए अलग-अलग आरक्षित मूल्य निर्धारित किए गए हैं। धार क्रमांक-1, गाछावाड़ी और गरड़ावद दुकानों का आरक्षित मूल्य 10 करोड़ 15 हजार 830 रुपए है। वहीं बाग क्रमांक-1 व 2, टांडा और रिंगनोद दुकानों का आरक्षित मूल्य 16 करोड़ 63 लाख 41 हजार 691 रुपए तय किया गया है। इस तरह सातों दुकानों का कुल आरक्षित मूल्य 26 करोड़ 63 लाख 57 हजार 521 रुपए है। 4 नवंबर को निविदाएं खुलेंगी।

तेज रफ्तार इको वैन पलटी, दो लोगों की मौत, तीन गंभीर घायल

धामनोद। दोपहर मेट्रो

जिले के धरमपुरी में धरमपुरी-मांडू रोड पर तारापुर के समीप गिट्टी खदान के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां मारुति ईको कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मारुति ईको वैन धरमपुरी से मांडू की ओर जा रही थी। इसी दौरान गिट्टी खदान के पास चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। कार सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही



धरमपुरी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए धामनोद के शासकीय अस्पताल पहुंचाया, जबकि मृतकों के शव धरमपुरी अस्पताल भेजे गए। मृतकों की पहचान विक्की पिता दिनेश, भुरेसिंह पिता बाबू और गौतम पिता सुखराम, तीनों निवासी मांडव के रूप में हुई है।

न्यूज विंडो

कन्या छात्रावास में घुसकर अधीक्षिका से मारपीट, छात्राओं पर भी बरसाए पत्थर



धामनोद। धरमपुरी स्थित आदिम जाति जूनियर कन्या छात्रावास में रविवार को उस समय हंगामा मच गया, जब मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के लिए रंगोली बना रहीं छात्राओं के बीच महिला बाल विकास प्रभारी राजकुमारी ठाकुर और उनके पति सचिन कर्मा पहुंच गए। आरोप है कि दोनों ने पुरानी रंजिश के चलते छात्रावास अधीक्षिका कला चौहान के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने आई छात्राओं को भी निशाना बनाया और उन पर पत्थर फेंके। अधीक्षिका की शिकायत पर धरमपुरी पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधीक्षिका के अनुसार, छात्रावास परिसर में छात्राएं रंगोली प्रतियोगिता की तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान पहुंचे पति-पत्नी ने उनके बाल पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। उन्हें बचाने आई छात्राओं के साथ भी मारपीट की गई। छात्रावास की दो महिला कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर आरोपियों को बाहर जाने के लिए कहा तो उन्होंने पत्थर फेंके, जो छात्राओं को भी लगे। शिकायत में अधीक्षिका ने आरोप लगाया कि जाते समय दोनों ने जातिगत टिप्पणी करते हुए अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। बताया गया है कि दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा है और मामला न्यायालय में विचाराधीन है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस वीडियो, शिकायत और संबंधित पक्षों के बयान के आधार पर जांच कर रही है।

आईजा की प्रदेश टीम में उमेश जैन प्रदेश महासचिव, संदीप जैन प्रदेश कोषाध्यक्ष बने



इंदौर। ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (आईजा) की मध्यप्रदेश कार्यकारिणी में युवा पत्रकारों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया और प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बाफना के मार्गदर्शन में घोषित नई कार्यकारिणी में इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक दबंग देश के प्रधान संपादक उमेश जैन को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। वहीं युवा पत्रकार संदीप जैन को प्रदेश कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। उमेश जैन इससे पहले संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। वे कई वर्षों से आईजा की गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। उनकी नियुक्ति को संगठन में अनुभव और युवा नेतृत्व के समन्वय के रूप में देखा जा रहा है। वहीं संदीप जैन पूर्व में धार जिला अध्यक्ष का दायित्व संभाल चुके हैं। संगठनात्मक कार्यों में उनके अनुभव को देखते हुए उन्हें प्रदेश स्तर पर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों नियुक्तियों से मध्यप्रदेश में आईजा की गतिविधियों को गति मिलने और युवा पत्रकारों की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने नवनियुक्त प्रदेश महासचिव उमेश जैन एवं कोषाध्यक्ष संदीप जैन को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है।

मुंडा के जंगलों में सज रहे जुए के फड़ सीमा पार से पहुंच रहे खिलाड़ी!

अनूपपुर। जिले के वेंकटनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुंडा के जंगलों में कथित रूप से संचालित हो रहे जुए के फड़ों को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। शिकायतों के मुताबिक, इन फड़ों पर केवल स्थानीय ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही क्षेत्र से भी जुआ खेलने वाले पहुंच रहे हैं। आरोप है कि गौरेला क्षेत्र से आने वाले कुछ लोग जुआ गतिविधियों में नाल वसूली की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं, स्थानीय स्तर पर प्रकाश और शुभम नाम के व्यक्तियों की भूमिका को लेकर भी आरोप लगाए जा रहे हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि जुआ संचालित करने वाले लोग पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय थाने के साथ कथित मैनेजमेंट होने की बात कहकर बेखौफ गतिविधियां चलाने का दावा करते हैं। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यदि शिकायतें सही हैं तो यह पुलिस की निगरानी और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। बताया जा रहा है कि मुंडा के जंगलों में लगने वाले फड़ों पर गौरेला, पेंड्रा, मरवाही, कोतमा, अनूपपुर और चचाई सहित आसपास के क्षेत्रों से लोग पहुंचते हैं। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे इलाके में इस तरह की गतिविधियों की शिकायतों ने अंतर्राज्यीय जुआ नेटवर्क की आशंका पैदा की है।

अनूपपुर के वेंकटनगर थाना क्षेत्र में अंतर्राज्यीय जुआ गतिविधियों की शिकायत, पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर उठे सवाल

ओडिशा से मैहर पहुंचाई जा रही थी साढ़े चार करोड़ की खेप

पेंट के 412 डिब्बों की आड़ में 872 किलो गांजे की तस्करी, कंटेनर समेत दो धराए

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

पेंट के डिब्बों की आड़ में गांजे की बड़ी खेप मध्यप्रदेश पहुंचाई जा रही थी। तस्करों ने कंटेनर में रखे 412 पेंट के डिब्बों के बीच गांजे की 28 बोरियां छिपा रखी थीं। जबलपुर-कटनी राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर गोसलपुर पुलिस और उत्तर प्रदेश की नारकोटिक्स विंग की संयुक्त टीम ने शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि मोहतरा टोल प्लाजा के पास कंटेनर को घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी में 871 किलो 95 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत करीब साढ़े चार करोड़ रुपये बताई गई है। पुलिस ने कंटेनर चालक सहित दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने बताया कि मादक पदार्थ की तस्करी की सूचना पर पुलिस को सतर्क किया गया था। रात में पेट्रोलिंग के दौरान मुस्करा मोड़ के पास जबलपुर की ओर से आ रहे संदिग्ध कंटेनर क्रमांक एनएल-01-एसी-7191 को रोकने के लिए पीछा किया गया। इसी दौरान झांसी की नारकोटिक्स विंग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। तलाशी में पेंट के डिब्बों के बीच छिपाई गई गांजे की बोरियां मिलीं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी धर्मवीर सिंह (45) और पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर निवासी विक्रम कर्माकर (24) के रूप में हुई है। पूछताछ में धर्मवीर ने बताया कि वह कंटेनर का मालिक है। विशाखापट्टनम से माल लेकर अंबाला जाते समय ओडिशा के बलांगीर निवासी प्रभात साहू ने उसे गांजे की खेप मप्र पहुंचाने का काम दिया था। 27 अक्टूबर को 28 बोरियां कंटेनर में लोड की गईं, जिन्हें मैहर में जियो पेट्रोल पंप के पहले उतारना था।



एक ट्रिप के मिलते थे एक लाख रुपए

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि कंटेनर मालिक धर्मवीर सिंह पहले भी प्रभात साहू के कहने पर गांजे की खेप मध्यप्रदेश पहुंचा चुका है। इसके बदले उसे हर ट्रिप के एक लाख रुपये मिलते थे। इस बार भी उसे ओडिशा से गांजा लाकर मैहर में निर्धारित स्थान पर उतारना था। पुलिस के अनुसार, धर्मवीर के साथ पकड़ा गया विक्रम कर्माकर उसके स्वजन का बेटा है। दोनों ने गांजे को अलग-अलग पैकेट में भरकर उन पर टेप लगाया था और पेंट के डिब्बों के बीच बोरियों में छिपा दिया था, ताकि सामान्य जांच में खेप पकड़ में न आए। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है और तस्करी के नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

19 अक्टूबर को विशाखापट्टनम से निकला था कंटेनर

धर्मवीर सिंह ने पूछताछ में बताया कि वह 19 अक्टूबर को विशाखापट्टनम से माल लेकर अंबाला के लिए रवाना हुआ था। रास्ते में ओडिशा के बलांगीर निवासी प्रभात साहू ने उससे संपर्क किया और मध्यप्रदेश में गांजे की खेप पहुंचाने का जिम्मा सौंपा। इसके बाद 27 अक्टूबर को प्रभात के यहां से गांजे की 28 बोरियां कंटेनर में लोड की गईं। योजना के अनुसार खेप को मैहर में जियो पेट्रोल पंप के पहले उतारना था। हालांकि, राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर पुलिस की सतर्कता और संयुक्त टीम की कार्रवाई से तस्करी की योजना नाकाम हो गई। पुलिस अब प्रभात साहू सहित इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

कक्षा की समस्याओं पर अब शिक्षक करेंगे शोध, समाधान की बनेगी राह

डाइट नरसिंहपुर में तीन दिवसीय क्षमता वर्धन कार्यशाला का समापन, 22 शिक्षक-शोधार्थियों ने सीखी शोध की बारीकियां

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

विद्यालयों में विद्यार्थियों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में आने वाली कठिनाइयों और अन्य शैक्षिक समस्याओं के समाधान के लिए अब शिक्षक क्रियात्मक शोध का सहारा लेंगे। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), नरसिंहपुर में शिक्षकों की शोध क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय क्षमता वर्धन कार्यशाला के प्रथम चरण का शुक्रवार, 30 अक्टूबर को समापन हुआ। 28 से 30 अक्टूबर तक चली कार्यशाला में जिले के विभिन्न विकासखंडों से चयनित लगभग 22 शिक्षक-शोधार्थियों ने भाग लिया।

समापन अवसर पर डाइट प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थी हित को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों की वास्तविक समस्याओं की पहचान करें और उनके व्यावहारिक समाधान के लिए क्रियात्मक शोध करें। उन्होंने प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा से जुड़े शोध विषयों की जानकारी लेते हुए उनकी उपयोगिता, दिशा और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के ऐसे प्रयास विद्यालयों की जमीनी शैक्षिक समस्याओं के निराकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यशाला के दौरान शोध प्रभारी डॉ. अलका शर्मा ने क्रियात्मक शोध की अवधारणा, तकनीकी पहलुओं और विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने शोध समस्या के निर्धारण, उद्देश्य तय करने, संभावित उपायों और शोध की रूपरेखा तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

दो सौ कारतूस, पिस्टल और 7.58 लाख नकद बरामद

शहडोल से जौनपुर तक अवैध हथियारों के नेटवर्क की जांच, पांच गिरफ्तार

तीन आरोपी शहडोल के निवासी, कई राज्यों तक फैले नेटवर्क की पड़ताल

शहडोल/जौनपुर। दोपहर मेट्रो

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में पुलिस की कार्रवाई के बाद कथित अंतरराज्यीय अवैध हथियार नेटवर्क के तार मध्यप्रदेश के शहडोल जिले से जुड़ते नजर आ रहे हैं। सुजानगंज थाना पुलिस ने कुरांवां नहर पुलिया के पास घेराबंदी कर गिरोह के कथित सरगना शुभम सिंह उर्फ शिवा सिंह समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें शहडोल निवासी सौरभ सिंह, अनीश सिंह और दिग्विजय सिंह शामिल बताए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से दो 12 बोर बंदूकें, एक .22 बोर राइफल, प्रतिबंधित 9 एमएम पिस्टल और .45 बोर ग्लॉक पिस्टल बरामद की गई हैं। इसके अलावा करीब 200 जिंदा कारतूस, 7.58 लाख रुपए नकद और 11 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।

कई राज्यों तक नेटवर्क की आशंका : जौनपुर पुलिस के मुताबिक, गिरोह उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार और दिल्ली सहित कई राज्यों में अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और सप्लाई से जुड़ा हो सकता है। पुलिस अब हथियारों के स्रोत, आरोपियों के आपसी संपर्क और नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

शराब कारोबार को लेकर भी चर्चा : गिरफ्तार दिग्विजय सिंह के अनूपपुर जिले के अमरकंटक तिराहा और राजेंद्रग्राम क्षेत्र में शराब कारोबार से जुड़े होने की बात सामने आई है। हालांकि, उसके व्यावसायिक कारोबार और कथित हथियार नेटवर्क के बीच संबंध की अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच के बाद ही इसकी वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता में नरसिंहपुर के तीन खिलाड़ियों का चयन

सुबीर अरोरा, देवांश तिवारी और हर्ष वर्मा मध्यप्रदेश की टीम में दिखाएंगे दमखम

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो



शालेय क्रिकेट में नरसिंहपुर जिले के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का दम दिखाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाई है। 70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता (19 वर्ष बालक वर्ग) के लिए मध्यप्रदेश की टीम में जिले के तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इनमें शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के सुबीर अरोरा और देवांश तिवारी तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आमगांव छोटा के हर्ष वर्मा शामिल हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 11 से 17 नवंबर 2026 तक आयोजित होगी।

तीनों खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। सुबीर अरोरा ने बल्लेबाजी में 135 रन बनाने के साथ गेंदबाजी में 11 विकेट झटके। उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। देवांश तिवारी ने विकेटकीपर के रूप में आठ कैच और चार स्टंपिंग कर सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर का पुरस्कार हासिल किया। वहीं हर्ष वर्मा ने 88 रन देकर 15 विकेट लिए और बेस्ट बॉलर का खिताब अपने नाम किया। जबलपुर संभाग की टीम के चयन में व्यायाम शिक्षक मुकेश पटेल, पंकज नेमा, शेखर पाठक और आशीष दीक्षित की भूमिका रही, जबकि संभागीय टीम के कोच प्रदीप पटेल रहे। तीनों खिलाड़ियों के चयन पर कलेक्टर रजनी सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा सहित शिक्षा एवं खेल विभाग के अधिकारियों, विद्यालयों के शिक्षकों और खेलप्रेमियों ने प्रसन्नता जताते हुए शुभकामनाएं दीं। अब ये खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मेट्रो एंकर | गिरवाई में प्रशासन की जांच में खुली पोल, निरीक्षण के बाद पंचनामा बनाया

ग्वालियर : आतिशबाजी बाजार में सुरक्षा इंतजाम नदारद

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

दीपावली से पहले गिरवाई स्थित थोक आतिशबाजी बाजार में कारोबार तो शुरू हो गया, लेकिन सुरक्षा इंतजामों की हकीकत प्रशासन के निरीक्षण में सामने आ गई। एसडीएम लश्कर नरेंद्रबाबू यादव के निर्देश पर तहसीलदार दिनेश चौरसिया ने टीम के साथ बाजार का निरीक्षण किया। इस दौरान न आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड मिली, न पानी का टैंकर और न ही सुरक्षा गार्ड तैनात मिले। दुकानों के सामने दोपहिया और चारपहिया वाहन खड़े थे, जबकि पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं थी।

टीम ने मिली खामियों का पंचनामा तैयार किया है। तहसीलदार दिनेश चौरसिया के अनुसार, पार्किंग, सुरक्षा और अग्निशमन व्यवस्था में



कमियां पाई गई हैं। रिपोर्ट एसडीएम को सौंपी जाएगी। एसडीएम ने कहा कि व्यवस्थाओं में गड़बड़ी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि गिरवाई के एबी रोड पर 14 थोक आतिशबाजी दुकानें संचालित हैं। इनके लाइसेंस का नवीनीकरण इस वर्ष भी नहीं हो सका। दीपावली के मद्देनजर प्रशासन ने पुलिस अधीक्षक के अभिमत के आधार पर 18 नवंबर तक अस्थायी अनुमति दी है। ऐसे में बिना पुख्ता सुरक्षा इंतजामों के कारोबार शुरू होने से बाजार में हादसे का खतरा बढ़ गया है।

नवीनीकरण अटका, हर साल अस्थायी अनुमति का सहारा : गिरवाई के थोक आतिशबाजी बाजार में लाइसेंस नवीनीकरण का मामला पिछले दो वर्षों से उलझा हुआ है। पिछले साल प्रशासन ने अवैध स्टॉक राजसात कर लाइसेंस नवीनीकरण कराने के आदेश दिए थे। इसके बाद कारोबारी न्यायालय पहुंच गए। दीपावली नजदीक आने पर प्रशासन ने एक माह की अस्थायी अनुमति दी थी। इस वर्ष भी नवीनीकरण नहीं हो सका और त्योहार को देखते हुए 18 नवंबर तक अस्थायी मोहलत दे दी गई। इस बीच कारोबार शुरू हो गया, लेकिन सुरक्षा मानकों के पालन की जांच अब जाकर की गई।

पहले भी निरीक्षण में खुल चुकी है दुकानें खोलने की पोल : कुछ दिन पहले एसडीएम लश्कर नरेंद्रबाबू यादव ने गिरवाई थोक आतिशबाजी बाजार का निरीक्षण किया था। उस दौरान बिना नवीनीकरण के दुकानें खुली मिली थीं। एसडीएम ने दुकानों को बंद कराने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अस्थायी अनुमति मिलने के बाद कारोबार फिर शुरू हो गया। ताजा निरीक्षण में अग्निशमन, पानी, सुरक्षा गार्ड और पार्किंग जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं का अभाव सामने आया है। अब प्रशासन की अगली कार्रवाई पर नजर है। अधिकारियों का कहना है कि निरीक्षण में दर्ज कमियों के आधार पर आगे कदम उठाए जाएंगे।

वरिष्ठ पत्रकार नीलू रजक का नागपुर एम्स में निधन

कोतमा। कोयलांचल क्षेत्र की पत्रकारिता को नई पहचान देने वाले वरिष्ठ पत्रकार एवं 'कोयलांचल की पुकार' के प्रधान संपादक नीलू रजक का रविवार-सोमवार की



दरमियानी रात करीब 1:10 बजे नागपुर एम्स में निधन हो गया। वे ब्रेन हैमरेज के बाद अस्पताल में उपचाररत थे। चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। उन्होंने स्थानीय समस्याओं, आमजन की आवाज और क्षेत्रीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर पत्रकारिता में विशिष्ट पहचान बनाई। दैनिक कीर्ति क्रांति को कोतमा से अनूपपुर जिले और संभाग तक पहचान दिलाने में भी उनकी अहम भूमिका रही।

मेक्सिको सिटी ग्रां प्री, 0.009 सेकंड से चूके रसेल, पियास्त्री को बड़ा झटका

ब्रिटिश ड्राइवर लुईस हैमिल्टन ने फिर दिखाया जलवा, तीन साल का सूखा खत्म

मेक्सिको सिटी, एजेंसी

फॉर्मूला-1 के दिग्गज ब्रिटिश ड्राइवर लुईस हैमिल्टन ने आखिरकार तीन साल का इंतजार खत्म कर दिया। उन्होंने मेक्सिको सिटी ग्रां प्री की क्वालीफाइंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए पोल पोजीशन पर कब्जा जमा लिया। आखिरी प्रयास में निकाली गई उनकी जबरदस्त लैप ने मुकाबले का रुख बदल दिया। हैमिल्टन ने मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल को महज 0.009 सेकंड के बेहद मामूली अंतर से पछाड़ दिया। यह उनके एफ1 करियर की 105वीं पोल पोजीशन है।

पोल पोजीशन के लिए आखिरी क्षणों तक जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। हैमिल्टन ने अपने अंतिम प्रयास में एक मिनट 16.514 सेकंड का समय निकालकर सबसे तेज लैप पूरी की। रसेल भी शानदार लय में थे, लेकिन कुछ हजारवें सेकंड के अंतर से शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गए। इस क्वालीफाइंग में शीर्ष पांच ड्राइवरों के बीच 0.2 सेकंड से भी कम का अंतर रहा, जिसने मुकाबले को बेहद रोमांचक बना दिया।

हैमिल्टन ने अपने अनुभव और रफ्तार का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए दबाव के बीच शानदार प्रदर्शन किया। लंबे समय बाद पोल पोजीशन हासिल करना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। रसेल दूसरे स्थान पर रहे, जबकि फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर ने तीसरा स्थान हासिल किया। रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन चौथे स्थान पर रहे। अपने आखिरी लैप में वह कार पर नियंत्रण खो बैठे, जिसका असर उनकी स्थिति पर पड़ा। चैंपियनशिप की दौड़ में आगे चल रहे किमी एंटोनेली पांचवें स्थान पर रहे। शीर्ष पांच के बीच बेहद कम अंतर ने मुख्य रेस को लेकर रोमांच बढ़ा दिया है।



पियास्त्री के लिए क्वालीफाइंग बना बुरा सपना

क्वालीफाइंग का सबसे बड़ा उलटफेर मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री के बाहर होने के रूप में सामने आया। अभ्यास सत्रों में अच्छी रफ्तार दिखाने वाली मैकलारेन की कार क्यू2 में उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। पियास्त्री अपने अंतिम लैप में भी जरूरी गति हासिल नहीं कर पाए और 13वें स्थान पर रहे। उनसे आगे ऑडी के निको हुल्केनबर्ग 11वें और अल्पाइन के फेंको कोलपिंटो 12वें स्थान पर रहे। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस भी शीर्ष पांच में जगह नहीं बना सके और छठे स्थान पर रहे। इसाक हजर सातवें स्थान पर रहे।

लॉसन को झटका, लिंडब्लाड को मिला फायदा

रेसिंग बुल्स के लियाम लॉसन ने आठवां स्थान हासिल किया था, लेकिन एफपी2 में वेरस्टैपेन के साथ हुई घटना के कारण उन्हें एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ेगा। वेरस्टैपेन पर भी इसी तरह का दंड लगाया गया है। इसके चलते लॉसन नौवें स्थान पर खिसकेंगे और उनके टीम साथी आर्विन लिंडब्लाड आठवें स्थान पर पहुंच जाएंगे। अल्पाइन के पियरे गैस्ली को भी इसका फायदा मिलेगा और वह शीर्ष 10 में शामिल हो जाएंगे। ऑडी के गैब्रियल बोर्टोलेतो 14वें स्थान पर रहे। उनके बाद ओली बेयरमैन और कार्लोस सैंज का नंबर आया। सैंज ने इस सत्र में 14वीं बार अपने विलियम्स टीम साथी एलेक्स एल्बोन से बेहतर क्वालीफाइंग प्रदर्शन किया। एल्बोन 17वें स्थान पर रहे।

पूर्व कप्तान की दोटूक सलाह

बाबर को पाकिस्तान में खेलने से रोकें, ऑस्ट्रेलिया भेजें...

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम की लगातार खराब होती फॉर्म ने उनके करियर को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने बाबर को एक ऐसी सलाह दी है, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट में चर्चा तेज हो सकती है। यूसुफ का मानना है कि बाबर को फिलहाल घरेलू क्रिकेट खेलने के बजाय ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका जाकर अपनी बल्लेबाजी की तकनीक सुधारनी चाहिए। उन्होंने चेताया कि तकनीकी खामियां दूर किए बिना घरेलू क्रिकेट में संघर्ष करना बाबर के आत्मविश्वास को और कमजोर कर सकता है। बाबर की बल्लेबाजी पर सवाल श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल के बाद एक बार फिर उठे। शनिवार को खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने खिताब अपने नाम किया, लेकिन लक्ष्य का पीछा करते हुए बाबर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। उनके प्रदर्शन ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया कि आखिर वह अपनी पुरानी लय में कब लौटेंगे। मोहम्मद यूसुफ ने रविवार को सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि बाबर को कुछ समय के लिए पाकिस्तान से बाहर जाकर सिर्फ अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहिए। उनके मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में अभ्यास और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन बाबर के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।



चार साल पहले भी दी थी सलाह, किसी ने नहीं सुनी | यूसुफ ने बाबर के इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया की किसी क्रिकेट अकादमी में विशेषज्ञ कोचिंग लेने की पैरवी की है। उन्होंने कहा कि बाबर अब भी पाकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं और सही मार्गदर्शन मिलने पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। यूसुफ ने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने चार साल पहले भी बाबर को ऐसी सलाह दी थी, लेकिन उस समय उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया।

---

19 मैचों में 23 की औसत से रन बना रहे सैमसन, सोशल मीडिया पर उठे सवाल

बेंच पर बैठे वैभव कब तक देखेंगे संजू का फ्लॉप शो? टीम मैनेजमेंट पर फिर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम अभी शुरुआती झटकों से उबर भी नहीं पाई थी कि तेज गेंदबाज एडम मिल्ने ने एक और बड़ा हमला कर दिया। मिल्ने ने अपने ओवर की पहली गेंद पर विकेट लेने का सिलसिला जारी रखते हुए संजू सैमसन को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। संजू महज 10 गेंदों का सामना कर चार रन बनाकर आउट हो गए। माइकल ब्रेसवेल ने उनका कैच लपका। इससे पहले मिल्ने अपने स्पेल के पहले ओवर की पहली ही गेंद पर अभिषेक शर्मा को भी एक रन के निजी स्कोर पर आउट कर चुके थे।

संजू के इस तरह सस्ते में आउट होने के बाद सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों का गुस्सा फूट पड़ा। फैन्स ने उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाने के साथ ही टीम प्रबंधन के फैसलों को भी निशाने पर लिया। सबसे ज्यादा चर्चा युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर हो रही है, जिन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली है। प्रशंसकों का मानना है कि लगातार मौके मिलने के बावजूद संजू उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं, जबकि वैभव जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को बाहर बैठाना समझ से परे है।

पांच में एक अच्छी पारी, बाकी में निराशा

संजू सैमसन के प्रदर्शन को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसकों का कहना है कि उनके बल्ले से कभी-कभार बड़ी पारी जरूर निकलती है, लेकिन निरंतरता की कमी टीम के लिए परेशानी बन रही है। पांच मुकाबलों में एक अच्छी पारी खेलने के बाद बाकी मैचों में उनका जल्दी आउट होना चिंता का विषय बन गया है। टी20 क्रिकेट में जहां हर गेंद और हर रन की अहमियत होती है, वहां शीर्ष क्रम के बल्लेबाज से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है। संजू को मिले अवसरों के बावजूद उनका बल्ला अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। यही वजह है कि अब उनके चयन को लेकर भी बहस तेज हो गई है।



विश्व कप फाइनल के बाद आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता

साल 2026 के टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से संजू सैमसन का प्रदर्शन भी उनके आलोचकों के निशाने पर है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, इस मुकाबले से पहले के 19 मैचों में उन्होंने 23 की औसत से रन बनाए हैं। यह आंकड़ा उनकी मौजूदा फॉर्म पर सवाल खड़े करता है। आलोचकों का मानना है कि संजू में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में वह नाकाम रहे हैं। खासकर गेंद के मूवमेंट के सामने उनकी बल्लेबाजी तकनीक को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। तेज गेंदबाजों के खिलाफ शुरुआती ओवरों में उनका विकेट गंवाना टीम की मुश्किलें बढ़ा रहा है।

वैभव को बाहर बैठाने पर टीम प्रबंधन निशाने पर

संजू के लगातार निराशाजनक प्रदर्शन के बीच वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिलने से प्रशंसकों की नाराजगी और बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर कई प्रशंसक सवाल उठा रहे हैं कि आखिर वैभव को कब तक बाहर बैठाया जाएगा। उनका कहना है कि युवा बल्लेबाज को मौका देकर उसकी क्षमता परखनी चाहिए। वैभव ने कम उम्र में ही अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा है। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनके प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए प्रशंसक उन्हें भारतीय टीम में भी खेलते देखना चाहते हैं।

मीम्स के जरिए भी निकाली नाराजगी

संजू के आउट होते ही सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई। कुछ प्रशंसकों ने टीम प्रबंधन के चयन संबंधी फैसलों पर तंज कसा, तो कुछ ने वैभव को मौका नहीं देने को युवा प्रतिभा के साथ अन्याय बताया। प्रशंसकों का तर्क है कि जब संजू लगातार मौके मिलने के बावजूद रन नहीं बना पा रहे हैं, तो वैभव को आजमाने में क्या परेशानी है?अब सवाल यह है कि क्या टीम प्रबंधन संजू के मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए कोई बदलाव करेगा या उन्हें एक और मौका दिया जाएगा?

अब भुवनेश्वर की जगह पर संकट!

आईपीएल में मचाया था तहलका, टीम इंडिया में लौटते ही हुए बेअसर...

हैमिल्टन, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज भारतीय टीम ने 3-2 से जीत ली, लेकिन आखिरी मुकाबले में मिली सात विकेट की हार ने टीम प्रबंधन के सामने कुछ सवाल खड़े कर दिए हैं। इनमें सबसे बड़ा सवाल अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को लेकर है। आईपीएल 2026 में अपनी गेंदबाजी से बल्लेबाजों के छक्के छुड़ाने वाले भुवनेश्वर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। अब दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए उनकी टीम में जगह को लेकर संशय पैदा हो गया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का आखिरी मुकाबला एक नवंबर को हैमिल्टन में खेला गया, जिसमें मेजबान टीम ने सात विकेट से जीत दर्ज की। हालांकि, भारतीय टीम ने शुरुआती मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन करते हुए सीरीज अपने नाम कर ली। अब भारतीय खिलाड़ियों को टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से कुछ समय का विश्राम मिलेगा। टीम की अगली भिड़ंत दिसंबर में श्रीलंका से होगी।



16 ओवर में दिए 180 रन, मिला सिर्फ एक विकेट

36 वर्षीय भुवनेश्वर कुमार का न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। उन्होंने पूरी सीरीज में 16 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ एक विकेट हासिल कर सके। इस दौरान उन्होंने 180 रन खर्च किए। उनका गेंदबाजी औसत 180 और रन देने की दर 11.25 रही। भुवनेश्वर की गेंदबाजी में सबसे ज्यादा परेशानी बीच के ओवरों में दिखाई दी। पहले ओवर में उन्होंने 5.25 रन प्रति ओवर दिए, लेकिन दूसरे ओवर में यह आंकड़ा 11.25 तक पहुंच गया। तीसरे ओवर में तो उन्होंने 15.75 रन खर्च कर दिए। चौथे ओवर में भी उनकी रन देने की दर 12.75 रही।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

लुक-बॉडी शेमिंग पर विद्या मालवदे का करारा जवाब, बोलीं- लिखने वाले की दिखती है सोच

अभिनेत्री विद्या मालवदे साइबर अपराध पर आधारित थ्रिलर सीरीज का नाम स्कैम 2024 - द डिजिटल अरेस्ट स्टोरी में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर सेलेब्स पर होने वाली ट्रोलिंग पर बात की, जिसका सामना खासतौर पर एक्ट्रेसेस को अपने लुक को लेकर करना पड़ता है।



अभिनेत्री ने बताया कि जब कोई कुछ लिखता है, तो वह उस व्यक्ति के बारे में कम बल्कि उसकी सोच को दिखाता है। दरअसल, अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल पूछा, ÷एक्ट्रेसेस को अक्सर उनके लुक, निजी फैसलों या प्रेग्नेंसी के बाद वजन को लेकर ट्रोल किया जाता है। किसी की जिंदगी और बॉडी पर कमेंट करने की इस संस्कृति को आप कैसे देखती हैं?÷

इस सवाल पर उन्होंने कहा कि उनके हिसाब से इसके दो पहलू हैं। अभिनेत्री विद्या मालवदे ने कहा, ÷अगर कोई मेरे बारे में कुछ लिखता है, तो इस पर उसका नजरिया दिखाता है। वे मेरे बारे में क्या लिखते हैं, यह उनकी समस्या है, मेरी नहीं। अगर कोई कुछ अच्छा लिखता है, तो वह उसके सकारात्मक विचार हैं, जो कि उसके अंदर से आते हैं। मुझे लगता है कि लिखने वालों के शब्द ही उनकी सोच को दिखाते हैं। मैं कोशिश करती हूं कि दूसरों की राय से खुद को परिभाषित न होने दूं।÷

व्यक्ति के मन में भरी हैं नकारात्मकता बातें

विद्या ने अपनी साथी एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा के एक बयान को भी याद किया, जिन्होंने कहा था कि किसी को कहीं बैठकर अपने बारे में लिखने वाली बातों से खुद को प्रभावित नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷आखिर में, यह उनकी राय है। सोचिए, ऐसी बातें लिखने वाले व्यक्ति के मन में कितनी नकारात्मकता भरी है और मुझे लगता है कि ऐसे व्यक्ति से दूर ही रहना चाहिए। विद्या ने स्कैम 2024 - द डिजिटल अरेस्ट स्टोरी के साथ माइक्रो ड्रामा में डेब्यू किया है। इस सीरीज में संदीप अरोड़ा, प्रियांशी त्रिपाठी, पूजा झा, आयुषी त्यागी, शीतल तेजवानी, अशोक के. झा और योगेश पवार स्टारर यह थ्रिलर स्टोरी टीवी ऐप पर स्ट्रीम हो रही है।



मेट्रो बाजार

सोना इस हफ्ते एक हजार और चांदी 13 हजार से अधिक सस्ती

नई दिल्ली। सोने और चांदी में इस हफ्ते बड़ी गिरावट देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमशः 1,500 रुपए और 13,000 रुपए से अधिक घट गया। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 1,576 रुपए कम होकर 1,40,054 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,41,630 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,28,289 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले1,29,733 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,05,041 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,06,223 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इस हफ्ते 24 कैरेट सोने में सबसे न्यूनतम दाम 30 अक्टूबर को शाम के सत्र में 1,40,054 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 28 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 1,42,300 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है। चांदी का दाम 13,071 रुपए कम होकर 1,81,344 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 1,94,415 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 26 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 1,95,050 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 30 अक्टूबर को शाम के सत्र में 1,81,344 रुपए प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

तमिलनाडु में खनिज ले जाने वाले ट्रकों पर सख्ती, बिना जीपीएस नहीं मिलेगा परमिट

चेन्नई। तमिलनाडु में खनिज ले जाने वाले ट्रकों के लिए अब जीपीएस लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। बिना एआईएस 140 मानक वाले जीपीएस डिवाइस के अब ट्रकों को ट्रांसपोर्ट परमिट या ट्रांजिट पास नहीं मिलेगा। भूविज्ञान और खनन विभाग ने इस फैसले की घोषणा की। पूरे राज्य में खनिज परिवहन में लगे वाहनों के लिए निर्धारित ट्रैकिंग डिवाइस लगाना और उसे विभाग के ऑनलाइन पोर्टल से जोड़ना अनिवार्य कर दिया गया है।



विभाग ने उल्लंघन पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। बिना जीपीएस डिवाइस और वैध परमिट के खनिज ले जाने वाले वाहनों की जांच की जाएगी और उन्हें जब्त किया जाएगा, साथ ही उनके मालिकों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी। यह नियम अवैध खनन और खनिजों की अनधिकृत आवाजाही को रोकने के सरकारी प्रयासों का हिस्सा है। खनिज ले जाने वाले वाहनों को अपनी डिजिटल प्रणाली से जोड़कर विभाग परिवहन पर निगरानी मजबूत करना चाहता है और परमिट सिस्टम के बाहर आवाजाही पर रोक लगाना चाहता है।निर्देशों के अनुसार, ऑपरेटरों को एआईएस 140 मानक वाले जीपीएस डिवाइस लगाने होंगे और उन्हें मिनरल मैनेजमेंट सिस्टम (एमआईएमएएस) से जोड़ना होगा। सिर्फ डिवाइस लगा देना ही काफी नहीं है, उसे विभाग के पोर्टल से जोड़ना भी जरूरी है। इस नियम के लिए पहले कई बार समय सीमा बढ़ाई गई थी। जीपीएस डिवाइस लगाने की मूल समय सीमा 31 मार्च 2026 थी। इसके बाद सरकार ने 1 सितंबर से बिना उपकरण वाले वाहनों को ट्रांजिट पास देना बंद करने की योजना बनाई थी। लेकिन अनुपालन की समय सीमा को पहले 30 सितंबर और फिर 31 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया था, ताकि वाहन मालिकों को डिवाइस लगाने और पोर्टल-लिंकिंग प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय मिल सके।

झाड़ फूंक से फिल्मों में वापसी करेंगी पद्मिनी कोल्हापुरे

बोलीं-खुद भी नहीं देख पाऊंगी अपनी यह फिल्म

अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे हॉरर फिल्म झाड़ फूंक के साथ अभिनय की दुनिया में वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि जब उन्हें इस फिल्म की कहानी सुनाई गई तो वह इतनी डरावनी लगी कि उन्होंने सोचा कि क्या वह खुद यह फिल्म देख भी पाएंगी या नहीं। अभिनेत्री ने हॉरर फिल्म में काम करने के अपने अनुभव, अंधविश्वास को लेकर अपनी सोच और फिल्म की कास्ट के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात की। झाड़ फूंक को अपनी दूसरी हॉरर फिल्म बताते हुए एक्ट्रेस ने कहा, यह मेरी दूसरी हॉरर फिल्म है। मैंने गहराई नाम की एक फिल्म की थी।अभिनेत्री ने बताया कि भारत में लोग ऐसी चोजों पर बहुत विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा, भारत में रहने वाले लोग, झाड़ फूंक बहुत ज्यादा विश्वास करते हैं। हमारे निर्देशक राजन जी ने जिस तरह से यह फिल्म बनाई है, वह काफी काबिले तारीफ है। जब निर्देशक ने इस फिल्म के बारे में मुझे बताया था, तभी मैंने उनसे कहा था कि मुझे नहीं लगता है कि मैं इस फिल्म को देख पाऊंगी। एक्ट्रेस ने दिग्गज एक्टर यशपाल शर्मा के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में भी बात की और उनके समर्पण और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की। उनका मानना है कि सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है, चाहे एक्टर कितना भी अनुभवी क्यों न हो। पद्मिनी ने कहा कि उन्होंने अपने सह-कलाकारों के साथ काम करते हुए कई चीजें सीखीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है, इंसान हमेशा सीखता है। चाहे वह कितना भी सीनियर क्यों न हो। जूनियर्स सीनियर्स से सीखते है, सीनियर्स जूनियर्स से सीखते हैं। तो, इस फिल्म के दौरान मैंने बहुत कुछ सीखा। यशपाल जी थे और उनके बारे में मैं क्या कहूं? उनका किरदार बहुत अच्छा है और इसे लेकर उनका समर्पण कमाल का है।





उफान पर नदियां, बहती कारें और डूबे घर...

» अमेरिका और मेक्सिको में बाढ़ का कहर

100 साल पुराना बारिश का रिकॉर्ड टूटा

बाढ़ के पानी में बह गईं कई कारें: मेक्सिको के बाजा कैलिफोर्निया सुर राज्य के सैन होजे डेल काबो से सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि बाढ़ का तेज पानी कई कारों को बहा ले जा रहा है। भारी बारिश के कारण आमतौर पर सूखे रहने वाले रास्ते अब उफनती नदियों में बदल गए हैं। बताया जा रहा है कि 100 मिमी से भी ज्यादा मूसलाधार बारिश हुई है, जिससे सड़कें जलमग्न हो गईं और स्थानीय जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई।

वाशिंगटन। अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी इलाकों और मैक्सिको में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई है। नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ने से हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाए जा रहे हैं। मैक्सिको में बाढ़ के बहाव ने कई कारों को बहा दिया। 12 अक्टूबर को हरिकेन साइमन ने मैक्सिको के प्रशांत तट पर भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ तबाही मचाई थी। वहीं ट्रॉपिकल स्टॉर्म रेचल के कारण अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों में भीषण बारिश हुई। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार एरिजोना के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है, जहां रेस्क्यू टीमें नावों से घरों में फंसे लोगों को निकाल रही हैं। दक्षिण-पश्चिमी कोलोराडो के पगोसा स्प्रिंग्स में अधिकारियों ने भीषण बाढ़ की चेतावनी दी है। सैन जुआन नदी के जलस्तर के 21.9 फीट तक पहुंचने का अनुमान है।यह 1911 की उस विनाशकारी बाढ़ के दौरान दर्ज किए गए 17.8 फीट के स्तर से भी अधिक हो सकता है, जिसने शहर के एक बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था।

न्यूज विंडो

कोलकाता के डलहौजी इलाके की टर्नर मॉरिसन बिल्डिंग में आग

कोलकाता. एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के डलहौजी इलाके में स्थित टर्नर मॉरिसन बिल्डिंग में आग लगने की घटना सामने आई है। आग इमारत की तीसरी मंजिल पर लगी। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। इससे पहल ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग के पीछे स्थित एक बहुमंजिला इमारत में देर रात आग लग गई। आग बुझाने के लिए दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। अधिकारियों के मुताबिक, आज सुबह तक आग बुझाने का काम जारी था।

चारधाम हेली सेवा: फैसले के विरोध में आज से संचालन बंद

देहरादून/मसूरी. एजेंसी। चारधाम चार्टर्ड हेली सेवा में को-पायलट फैसले का हेली ऑपरेटरों ने विरोध किया है। ऑपरेटरों ने आज से चार्टर्ड हेली सेवा संचालन बंद करने का एलान किया है। विरोध के चलते डीजीसीए के नए नियम अगले साल की यात्रा में लागू हो सकते हैं। यात्रा 16 नवंबर को शीतकाल के स्थगित हो जाएगी। 30 अक्तूबर को चमोली जिले के ज्योर्तिमठ के समीप बदरीनाथ से लौट रहे ट्रांस भारत एविएशन के हेलिकॉप्टर दुर्घटना के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के साथ बैठक कर चारधाम यात्रा में देहरादून के सहस्त्रधारा से संचालित चार्टर्ड हेली सेवा में को-पायलट होने का निर्णय लिया। केदारनाथ धाम के लिए गुप्तकाशी, सिरसी, फाटा से संचालित शटल हेली सेवा पर यह नियम लागू होगा। ऑपरेटरों कहना है कि को-पायलट के नियमों से हेली सेवा संचालन आर्थिक रूप से संभव नहीं है।

आगरा: व्यापारी परिवार को कमरे में बंद कर 70 लाख की चोरी

आगरा.एजेंसी। कमला नगर के प्रोफेसर कॉलोनी एफ ब्लॉक में पीवीसी दरवाजे के व्यापारी संदीप अग्रवाल के घर में रविवार-सोमवार की रात करीब 70 लाख रुपये की चोरी हो गई। परिवार के सदस्य अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। चोरों ने कमरों के बाहर से कुंडी लगा दी, जिससे कोई बाहर न निकल सके। परिवार के मुताबिक वे रात दो बजे के बाद सोए थे। संदीप अग्रवाल पत्नी और बेटी के साथ एक कमरे में थे, जबकि उनके माता-पिता दूसरे कमरे में सो रहे थे। सुबह करीब छह बजे अलमारी खुली और सामान बिखरा मिलने पर चोरी का पता चला, जिसमें सोने-चांदी और हीरे के जेवर चोर ले उड़े। चोर सड़क किनारे वाले खिड़की की ग्रिल काटकर घुसे थे।

योग और नाथ परंपरा के सम्मान के लिए नाथ समाज ने की दो मांग

इंदौर। अखिल भारतवर्षीय नाथ समाज ने योग और नाथ परंपरा को सम्मान दिलाने के लिए शासन के समक्ष दो प्रमुख मांगें रखी हैं। प्रदेश महासचिव लेखराज जोगी ने बताया कि पहली मांग इंदौर में गुरु गोरखनाथ मंदिर के पास प्रस्तावित बापट चौराहा मेट्रो स्टेशन का नामकरण महायोगी गुरु गोरखनाथ जी के नाम पर करने की है। दूसरी मांग उज्जैन सिंहस्थ 2028 से पहले महाकाल लोक में गुरु गोरखनाथ की 108 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित करने की है। उन्होंने कहा, योग को विश्व में पहचान दिलाने वाले गुरु गोरखनाथ को उचित सम्मान मिलना चाहिए। जोगी ने सीएम डॉ. मोहन यादव से मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया।

चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री का दावा

विपक्ष की रैली से व्यापारियों को 12 हजार करोड़ का नुकसान!

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के रामलीला मैदान में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और विपक्षी दलों की महारैली के चलते दिल्ली के व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने फेस्टिव सीजन में दीपावली से ठीक पहले हुई दिल्ली रैली के दौरान दिल्ली के अलग-अलग बाजारों के करीब ढ़ाई लाख दुकानों के बंद होने और कारोबारियों के 12 हजार करोड़ के नुकसान का दावा किया है। CTI के साथ ही देश के सबसे पुराने व्यापारी संगठन 'किराना कमिटी दिल्ली' और 'नट्स एंड ड्राई फ्रूट्स काउंसिल' ने भी भारी नुकसान का अनुमान लगाया है।

रामलीला मैदान से सटे 25 बाजारों का कारोबार ठप

विपक्ष ने रामलीला मैदान में जो रैली की और रैली से पहले राहुल गांधी ने मार्च किया उससे एक तरफ तो सेंट्रल दिल्ली कई घंटे तक जाम रही। तो वहीं, दूसरी



तरफ राहुल की रैली के दौरान सेंट्रल दिल्ली के दो दर्जन से ज्यादा बाजार बंद रहे। कारोबारियों ने रैली से पहले जो आशंकाएं जताई थीं, रैली के दिन वो सच साबित हुईं। दिल्ली के कारोबारियों ने दावा किया कि कस्टमर के नहीं पहुंचने के कारण उन्हें भारी नुकसान हुआ है। चैंबर ऑफ ट्रेड इंडस्ट्री यानी CTI के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि राहुल की रैली के कारण रोड जाम रहा और भीड़ के कारण रामलीला मैदान से सटे 25 बाजारों का कारोबार ठप रहा और प्रमुख बाजारों में करीब 80 फीसदी दुकानें बंद रहीं।

एआई फोटो पर रिजिजू का तंज

'फर्जी तस्वीर भी ठीक से नहीं बना पाए'



केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक की रैली में भीड़ दिखाने के लिए कथित एआई से तैयार तस्वीर साझा करने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को रैली में भीड़ दिखाने के लिए एआई से बनी तस्वीरों का सहारा लेना पड़ा। रिजिजू ने कांग्रेस सांसद वामसी गड्डम और पार्टी के अन्य नेताओं की ओर से सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीर को अपनी पोस्ट के साथ लगाया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'रामलीला मैदान भरा हुआ दिखाने के लिए कांग्रेस पार्टी की फर्जी नैरेटिव टीम एआई से बनी फर्जी तस्वीर भी ठीक से नहीं बना पाई!'

जम्मू-कश्मीर: मंत्री पद न मिलने से नाराजगी

उमर को 25 विधायकों का अल्टीमेटम-14 दिन में मांगें नहीं मानीं तो समर्थन वापस

जम्मू-कश्मीर। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 25 विधायकों ने पार्टी नेतृत्व को 14 दिन का अल्टीमेटम दिया है। विधायकों ने मांगें पूरी नहीं होने पर सरकार से समर्थन वापस लेने की धमकी दी है। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ ही वे मंत्रिमंडल में बड़े दलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है।

श्रीनगर से सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने भी इस्तीफे का ऐलान किया है। रूहुल्लाह ने कहा है कि वह 3 नवंबर को नेशनल कॉन्फ्रेंस और लोकसभा सदस्यता, दोनों से औपचारिक इस्तीफा दे देंगे।

उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर वैचारिक प्रतिबद्धताओं को कमजोर करने का



आरोप लगाया है। रूहुल्लाह का कहना है कि पार्टी धारा 370 पर केंद्र के फैसल को चुनौती देने के वादे से पीछे हट रही है।

विधायकों का 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बनाया

बैठक में विधायकों ने 4 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला किया। इसकी अगुआई पार्टी के सीनियर लीडर व गुरेज विधायक नजीर अहमद गुरेजी तथा थानामंडी विधायक मुजफ्फर इकबाल खान करेंगे। प्रतिनिधिमंडल पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और सीएम उमर अब्दुल्ला को मांगों का ज्ञापन सौंपेगा।

पश्चिम बंगाल: दक्षिण 24 परगना में चर्च में तोड़फोड़, पादरियों-श्रद्धालुओं पर हमला

कोलकाता. एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में एक चर्च के उद्घाटन के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ करने और पादरियों के साथ-साथ श्रद्धालुओं पर हमला करने का मामला सामने आया है। यह जानकारी पुलिस द्वारा दी गई। बताया, घटना संती थाना क्षेत्र के नारायणतला में हुई। तब बिशप सुब्रत चक्रवर्ती और कई पादरी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ नए चर्च के उद्घाटन के लिए इकट्ठा हुए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया, 'हमें शिकायत मिली है कि 30-35 लोगों की भीड़ अचानक चर्च परिसर में घुस आई और वहां मौजूद लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी। यह भी आरोप है कि महिलाओं पर भी हमला किया गया।' हमलावरों ने न केवल चर्च के पवित्र क्रॉस को तोड़ दिया। पादरियों- श्रद्धालुओं के साथ भी मारपीट की। जो घटना का वीडियो बना रहे थे, उसे भी पीटा।

जर्मनी: सड़कों पर आगजनी-दुकानों में लूट, कई शहरों में हिंसक झड़प

बर्लिन.एजेंसी। जर्मनी में जेनेरेशन जेड युवाओं ने बढ़ती महंगाई और जीवन-लागत जैसे मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। यूरोप भर में चल रहे इसी तरह के प्रदर्शनों के बीच जर्मनी में भी दिनभर ज्यादातर जगहों पर शांतिपूर्ण माहौल रहा, लेकिन शाम होते-होते कई शहरों में स्थिति बिगड़ गई।

दोपहर तक प्रदर्शन काफी हद तक शांत रहे, लेकिन अंधेरा होने के साथ ही कुछ इलाकों में उपद्रवी तत्वों ने पुलिस से झड़प की और दुकानों में लूटपाट की। इससे पहले हालात पिछले महीने फ्रांस में देखी गई अशांति की याद दिलाते हैं। फ्रैंकफर्ट, कोलोन, हैम्बर्ग और बर्लिन में हालात तनावपूर्ण हो गए।



इस मार्च में फिलिस्तीन-समर्थक और फासीवाद-विरोधी प्रदर्शनकारी भी शामिल हो गए। कुछ लोगों ने पूंजीवाद-विरोधी, इजरायल-विरोधी और जर्मनी-विरोधी नारे के एआई चैनलों, सेनूल और प्रवासी पृष्ठभूमि वाले उपद्रवियों को जिम्मेदार ठहराया और इसमें शामिल पाए जाने वालों के लिए कड़ी सजा की मांग की।

मेट्रो एंकर 1,500 से ज्यादा गाड़ियां बॉर्डर से लौटाईं; 1 नवंबर से नए नियम लागू हुए

दिल्ली-विंटर एक्शन प्लान... वसूला 68.4 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए 1 नवंबर से विंटर एक्शन प्लान लागू किया गया है। इसके पहले दिन रविवार शाम 5 बजे तक नियम तोड़ने वालों पर कुल 68.4 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

इस प्लान के तहत बाहर से आने वाले प्री-बीएस-4 वाहनों की एंट्री पर रोक है। 14,930 गाड़ियों की जांच की गई। इनमें से 1,539 गाड़ियों को दिल्ली बॉर्डर से वापस भेजा गया। वहीं, 62 गाड़ियां जब्त की गईं। इस कार्रवाई में 127 चालान काटकर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। प्रदूषण जांच का सर्टिफिकेट नहीं होने पर 566 वाहनों के चालान काटे गए और 56.6 लाख रुपए का जुर्माना



लगाया। कंस्ट्रक्शन साइट पर नियम तोड़ने के मामले में 9.8 लाख रुपए का पर्यावरण मुआवजा लगाया गया। प्रशासन ने कंस्ट्रक्शन और तोड़फोड़ वाली जगहों पर धूल रोकने के नियमों की जांच की। कुल 300 साइट्स का निरीक्षण किया गया। इनमें 32 जगहों पर नियमों का उल्लंघन मिला, जिसके लिए 9.8 लाख रुपए का पर्यावरण मुआवजा लगाया गया। चूंकि दिल्ली के वातावरण में प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि लोगों का जीना मुश्किल हो रहा है। इसलिए सख्त फैसले लिए जा रहे हैं।

28 फरवरी तक लागू रहेंगे कई प्रतिबंध

दिल्ली में 1 नवंबर से प्रदूषण रोकने के लिए विंटर एक्शन प्लान लागू है। इसके तहत बाहर रजिस्टर्ड बीएस ६ से कम मानक वाली गाड़ियों की एंट्री पर 31 जनवरी तक रोक रहेगी। धूल फैलाने वाले निर्माण कार्यों पर भी पाबंदी है। 10 दिसंबर से 20 जनवरी तक निर्माण और तोड़फोड़ के सभी काम बंद रहेंगे। जरूरी परियोजनाओं को छूट मिलेगी। 28 फरवरी तक अधिकृत पार्किंग में शुल्क दोगुना रहेगा। सरकारी और निजी दफ्तरों में 31 जनवरी तक अधिकतम 50 फीसदी कर्मचारी ही ऑफिस आएंगे, बाकी घर से काम करेंगे। इसके साथ ही कई जरूरी सेवाओं को छूट दी गई है। पर्यावरण मंत्री मंजींदर सिंह सिरसा ने लोगों से प्रदूषण जांच प्रमाण पत्र बनवाने और नियमों का पालन करने की अपील की। इसी कड़ी में 17 बंदी आदेश और 19 नोटिस भी जारी किए गए। हालांकि, जरूरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में धूल रोकने के नियमों का उल्लंघन कहीं नहीं मिला। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने 493 चालान काटकर 49.3 लाख रुपए और परिवहन विभाग ने 73 चालान काटकर 7.3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524